नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 200
दि. 21.11.2025,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

10वीं बार फिर बिहार के सीएम बने नीतीश... 26 मंत्रियों में एक मुस्लिम, 3 महिलाएं और 3 फर्स्ट टाइमर

(जीएनएस)।

पटना, बिहार में नई एनडीए सरकार का गठन हो गया है जिसमें नीतीश कुमार ने रिकॉर्ड 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली. पटना के गांधी मैदान में आयोजित समारोह में 26 मंत्रियों ने भी शपथ ग्रहण की, जिनमें बीजेपी के 14 और जदयू के 8 मंत्री शामिल हैं. नए मंत्रियों में एक मुस्लिम, तीन महिलाएं और तीन नए विधायक भी शामिल हैं.

बिहार में नई एनडीए सरकार का गठन हो गया है. पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित भव्य शपथ ग्रहण समारोह में जनता दल (यूनाइटेड) के सर्वोच्च नेता नीतीश कुमार ने रिकॉर्ड 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली. राज्यपाल मोहम्मद आरिफ खान ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई.

नीतीश कुमार के साथ उनकी नई कैबिनेट के 26 मंत्रियों ने भी शपथ ली. इनमें बीजेपी के 14 और जदयू कोटे के 8 मंत्री शामिल हैं. 26 नए मंत्रियों में एक मुस्लिम, 3 महिलाएं शामिल हैं. वहीं, पहली बार विधानसभा पहुंचे 3 विधायक भी मंत्री बने हैं. समारोह में भाजपा के वरिष्ठ नेता और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी व विजय कुमार सिन्हा ने भी मंत्री पद की शपथ ली.

शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत एनडीए शासित राज्यों के कई मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री शामिल हुए. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के मोहन यादव, राजस्थान के भजनलाल शर्मा, गुजरात के भूपेंद्र पटेल समेत कई बड़े नेता मंच पर मौजूद रहे.

गांधी मैदान में गूंजा बिहार में फिर नीतीश का नारा

गांधी मैदान को पूरी तरह सजाया-संवारा गया था. हजारों की संख्या में जदयू-भाजपा कार्यकर्ता और आम लोग समारोह में शामिल हुए. मंच पर 'बिहार में फिर एक बार- नीतीश कुमार' के नारे गूंजते रहे.

26 मंत्रियों ने ली शपथ

गांधी मैदान में नीतीश के अलावा गांधी मैदान में एनडीए सरकार के 26 मंत्रियों ने भी मंत्री पद की शपथ ली है. बीजेपी विधायक दल के नेता सम्राट चौधरी और उपनेता विजय कुमार सिन्हा ने डिप्टी सीएम के रूप में मंत्री पद की शपथ ली. सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा के अलावा बीजेपी के मंगल पांडेय, डॉ. दिलीप जायसवाल, नितिन नवीन, रामकृपाल यादव, संजय सिंह, अरुण शंकर प्रसाद, सुरेंद्र मेहता, नारायण प्रसाद, रमा निषाद, लखेंद्र पासवान, श्रेयसी सिंह, डॉ . प्रमोद कुमार चंद्रवंशी ने भी बिहार सरकार मंत्री पद की शपथ ग्रहण की.

शपथ ग्रहण समारोह में नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू से भी आठ मंत्रियों ने भी शपथ ग्रहण की है. जेडीयू की से मंत्री पद की शपथ लेने वालों में विजय कुमार चौधरी, श्रवण कुमार, विजेंद्र यादव, अशोक चौधरी, लेसी सिंह, मो. जमा खान, मदन सहनी, डॉ. प्रमोद कुमार का नाम शामिल है.

इसके अलावा चिराग की पार्टी से संजय कुमार (पासवान), संजय सिंह ने मंत्री पद की शपथ ग्रहण की. उधर जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी की ओर से संतोष कुमार सुमन और दीपक प्रकाश ने भी नई सरकार के मंत्री के रूप में शपथ ली है.

10वीं बार सीएम बने नीतीश

बिहार में एनडीए की नई सरकार का गठन हो चुका है. नीतीश कुमार ने 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण कर ली है. नीतीश ने पहली बार नवंबर 2005 में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी. इसके बाद 2010, 2015 (दो बार), 2017, 2020, 2022 (दो बार) और 2024 में शपथ ली थी. अब उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में अपना 10वां कार्यकाल शुरू कर दिया है. वह बिहार के अब तक सबसे लंबे वक्त तक मुख्यमंत्री रहने वाले नेताओं में से एक बन गए हैं.

एनडीए की शानदार वापसी

बता दें कि बीजेपी नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन ने हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी की है. एनडीए ने 202 सीटों पर जीत हासिल की है, जबकि विपक्षी महागठबंधन ने 35 सीटों पर सीट हासिल की है.

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने टेक्नोलॉजी के उपयोग से ऑनलाइन जन शिकायत निवारण के कार्यक्रम 'स्वागत' में उपस्थित रहकर शिकायतों के निवारण का मार्गदर्शन दिया

गांधीनगर, 20 नवंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गुरुवार को गांधीनगर में आयोजित नवंबर महीने के राज्य स्तरीय 'स्वागत' (स्टेट वाइड अटेंशन ऑन ग्रिवेंसेस बाई एप्लीकेशन ऑफ टेक्नोलॉजी) ऑनलाइन जनशिकायत निवारण कार्यक्रम में प्रस्तुत शिकायतों और समस्याओं के संदर्भ में संबंधित अधिकारियों को साफ तौर पर कहा कि लोगों की समस्याओं और शिकायतों को गहराई से समझते हुए तथा जमीन पर जाकर उनका शीघ्र निवारण करना आवश्यक है।

बता दें कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2003 में शुरू किया गया राज्य 'स्वागत' कार्यक्रम नागरिकों की समस्याओं को सीधे सरकार के समक्ष पहुंचाने के साथ ही समस्या के निवारण से लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का एक प्रभावी माध्यम बन गया है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के नागरिकों की समस्याओं को हमेशा प्राथमिकता देकर उनके त्वरित निवारण के लिए प्रतिबद्धता दिखाई है, इसकी मिसाल नवंबर महीने के राज्य स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम में देखने को मिली।

इस राज्य स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम में 70 से अधिक नागरिक अपनी समस्याएं प्रस्तुत करने के लिए आए थे, जिनमें से 4 आवेदकों की समस्याओं को मुख्यमंत्री ने व्यक्तिगत तौर पर सुना। जबकि शेष समस्याओं को मुख्यमंत्री जनसंपर्क इकाई के अधिकारियों ने सुना और कार्रवाई के लिए संबद्ध विभागों तथा जिला स्तर के अधिकारियों को भेजा।

राज्य सरकार द्वारा आयोजित नवंबर महीने के जिला 'स्वागत' के तहत प्राप्त 1156 शिकायतों की निराकरण कार्यवाही जिला स्तर पर करने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने स्थानीय स्तर पर तहसील और जिला 'स्वागत' की शिकायतों के संबंध में लिए गए निर्णय के कार्यान्वयन और उनकी गहन निगरानी के लिए जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए। इतना ही नहीं, उन्होंने जिन तहसीलों और जिलों में लंबित शिकायतों की संख्या अधिक है, ऐसे जिलों में शिकायतों का तत्काल निस्तारण करने के दिशानिर्देश भी दिए।

पोरबंदर जिले के दो गांवों के किसानों ने सुखभादर नदी पर पुल बनाने की लंबे समय से लंबित मांग को लेकर राज्य 'स्वागत' में मुख्यमंत्री के समक्ष गुहार लगाई। इस पर मुख्यमंत्री ने उन किसानों के प्रति संवेदना दशार्ते हुए इस पुल को मंजूरी देने के लिए सड़क एवं भवन विभाग के सचिव को त्वरित कार्यवाही का निर्देश दिया।

योगी आदित्यनाथ के पटना एयरपोर्ट पर निकलते ही लगे 'जय श्रीराम' के नारे, नीतीश को यूपी सीएम ने दी बधाई

(जीएनएस)।

लखनऊः बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में जबर्दस्त सफलता के बाद नीतीश कुमार ने दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। नई सरकार के गठन के अवसर पर आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, धर्मेंद्र प्रधान समेत कई केंद्रीय मंत्री और राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए। इसमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी गुरुवार को पटना पहुंचकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। जैसे ही उनका विमान पटना एयरपोर्ट पर उतरा, समर्थकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। पूरा एयरपोर्ट परिसर 'जय श्रीराम' के नारों से गूंज उठा। सीएम योगी ने बिहार चुनाव में जमकर प्रचार किया था। भाजपा और एनडीए उम्मीदवारों को जीत दिलाने में उन्होंने बड़ी भूमिका निभाई।

पटना एयरपोर्ट पर भाजपा कार्यकताओं का अद्भुत उत्साह देखने को मिला। मुख्यमंत्री योगी जैसे ही एयरपोर्ट से बाहर आए, लोगों का जोश देखते ही बन रहा था। समर्थकों ने हाथ हिलाकर, नारे लगाकर और फूल बरसाकर उनका स्वागत किया। कई युवा और स्थानीय लोग एयरपोर्ट पर पहुंचकर उनके प्रति अपना समर्थन और उत्साह जताते दिखे। यह नजारा इस बात का प्रतीक था कि बिहार की राजनीति में भी योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है।

नीतीश कुमार ने अपने राजनीतिक करियर का एक और महत्वपूर्ण अध्याय लिखते हुए 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। यह अवसर एनडीए गठबंधन के लिए भी मजबूती का संदेश रहा। शपथ समारोह में यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ, एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्रीय नेतृत्व, भाजपा और जदयू के वरिष्ठ नेता की उपस्थिति ने यह संकेत दिया कि बिहार में नई सरकार के साथ केंद्र और अन्य राज्य भी मिलकर काम करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ-साथ डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह भी शामिल हुए। केशव मौर्य को भाजपा ने बिहार चुनाव में सह प्रभारी बनाया था। हाल ही में संपन्न हुए बिहार विधानसभा चुनाव में योगी आदित्यनाथ ने एनडीए गठबंधन के लिए लगातार चुनाव प्रचार किया था। उन्होंने कई जिलों में बड़ी जनसभाएं कर पार्टी के पक्ष में मजबूत माहौल तैयार किया।

उनकी खास शैली, प्रभावशाली वक्तव्य, जनता से आत्मीय संवाद, सांस्कृतिक और सुरक्षा आधारित संदेश ने बिहार के मतदाताओं पर गहरा प्रभाव छोड़ा। भाजपा संगठन में भी उनकी सक्रियता ने ऊर्जा और उत्साह का संचार किया। सीएम योगी ने सुरक्षा, विकास और सांस्कृतिक पहचान पर स्पष्ट संदेश दिया था।

चुनाव प्रचार के दौरान योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे 'विकसित भारत' अभियान को प्रमुखता से जनता के बीच रखा। उन्होंने कहा था कि सुरक्षा, तेज विकास, सुशासन और सांस्कृतिक पहचान बिहार जैसे राज्यों को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। जनता से मिले समर्थन ने इन संदेशों की प्रभावशीलता को सिद्ध किया।

रिश्तों में नई मजबूती का संकेत

शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री योगी की उपस्थिति केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि दोनों राज्यों के बीच राजनीतिक, सामाजिक और विकासात्मक संबंधों के गहरे होने का प्रतीक मानी जा रही है। उत्तर प्रदेश और बिहार सांस्कृतिक रूप से जुड़वां राज्य हैं। दोनों राज्य साझा इतिहास, समान सामाजिक संरचना, आर्थिक और धार्मिक संबंध रखते हैं। ऐसे में दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों का एक मंच पर आना आने वाले दिनों में सहयोग और विकास के नए रास्ते खोल सकता है।

इस समारोह में शामिल होकर योगी आदित्यनाथ ने न केवल बिहार सरकार को समर्थन दिया बल्कि एनडीए की राष्ट्रीय स्तर पर एकता और समन्वय को भी मजबूत संदेश दिया।

खाद्यान्न उत्पादन में टूटे पिछले सारे रिकॉर्ड, देश के कृषि क्षेत्र में सफलता के नए अध्याय जुड़े

कृषि मंत्रालय द्वारा वर्ष 2024-25 के फसल उत्पादन के अंतिम अनुमान

जारी- कुल खाद्यान्न उत्पादन में लगभग 8% की रिकॉर्ड वृद्धि

खाद्यान्न उत्पादन वर्ष 2023-24 के 332.30 मिलियन टन के मुकाबले बढ़कर 357.73 मिलियन टन हुआ

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने उत्पादन में रिकॉर्ड स्तर पर वृद्धि के लिए किसानों का आभार जताया

'हमारा काम हो गया, मुझे फोन करके बोले थे पीएम मोदी', भारत-पाकिस्तान युद्ध को लेकर ट्रंप का नया दावा

(जीएनएस)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान की लड़ाई रुकवाने का क्रेडिट लेते हुए दावा किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें फोन करके कहा था, 'हम युद्ध नहीं करेंगे.' ट्रंप का कहना है कि 7 से 10 मई के बीच भारत और पाकिस्तान की ओर से एक-दूसरे पर किए जा रहे हमलों को रुकवाने के लिए उन्होंने 350 प्रतिशत टैरिफ लगाने और ट्रेड खत्म करने की धमकी दी थी, जिसके बाद दोनों देश घबरा गए.

ट्रंप कई बार इस दावे को दोहरा चुके हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव शांत करने में मदद की थी, जबकि भारत किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के दावे को लगातार नकारता रहा है. उन्होंने बुधवार (19 नवंबर, 2025) को यूएस-सऊदी इन्वेस्टमेंट फोरम को संबोधित करते हुए कहा, '...मैं झगड़े सुलझाने में अच्छा हूं और हमेशा से ऐसा रहा हूं. मैंने पिछले कुछ साल में

यहां तक कि इससे पहले भी इस दिशा में बहुत अच्छा काम किया है. मैं अलग-अलग लड़ाइयों के बारे में बात कर रहा हूं... भारत, पाकिस्तान... वे परमाणु हथियारों से हमले करने वाले थे.'

ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने परमाणु हथियार रखने वाले दोनों पड़ोसी देशों से कहा था कि वे युद्ध जारी रख सकते हैं लेकिन मैं दोनों देशों पर 350 प्रतिशत शुल्क लगा रहा हूं. वे अमेरिका के साथ अब व्यापार नहीं कर पाएंगे. ट्रंप ने दावा किया कि भारत और पाकिस्तान दोनों ने उनसे ऐसा नहीं करने के लिए कहा था.

अमेरिकी राष्ट्रपति का कहना है कि उन्होंने दोनों देशों से कहा था, 'मैं यह करने (शुल्क लगाने) जा रहा हूं...मैं नहीं चाहता कि आप लोग एक-दूसरे के खिलाफ परमाणु हथियार का इस्तेमाल करें, लाखों लोगों को मारें और लॉस एंजिलिस पर परमाणु धूल उड़े.'

'मां बांग्लादेश न छोड़तीं तो...': शेख हसीना के बेटे वाजेब बोले- जान बचाने के लिए मोदी सरकार का आभारी रहूंगा

वर्जीनिया (जीएनएस)। शेख हसीना के प्रत्यर्पण पर सजीब ने कहा, "प्रत्यर्पण के लिए न्यायिक प्रक्रिया का पालन करना जरूरी है। बांग्लादेश में एक अनिर्वाचित, असंवैधानिक और अवैध सरकार है। मेरी मां को दोषी ठहराने के लिए, उनके मुकदमे की सुनवाई तेज करने के लिए कानूनों में संशोधन किया गया। यानी इन कानूनों में अवैध रूप से संशोधन किया गया। मेरी मां को अपने बचाव पक्ष के वकील नियुक्त करने की अनुमति तक नहीं थी।"

बांग्लादेश में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई गई है। इस बीच हसीना फिलहाल सुरक्षित भारत में मौजूद हैं। भारत की तरफ से अपदस्थ पीएम को इस तरह सुरक्षा दिए जाने पर शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने बुधवार को न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में भारत सरकार की तारीफ की है और कहा है कि वे इसके लिए पीएम मोदी की सरकार के आभारी रहेंगे।

अमेरिका के वर्जीनिया में रह रहे सजीब ने कहा, "भारत हमेशा से एक अच्छा दोस्त रहा है। संकट के समय भारत ने मेरी मां की जान बचाई है। अगर वो बांग्लादेश नहीं छोड़तीं, तो उग्रवादियों ने उनकी हत्या की योजना बना ली होती। इसलिए मैं अपनी मां की जान बचाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की सरकार का हमेशा आभारी रहूंगा।"

शेख हसीना के प्रत्यर्पण पर सजीब ने कहा, "प्रत्यर्पण के लिए न्यायिक प्रक्रिया का पालन करना जरूरी है। बांग्लादेश में एक अनिर्वाचित, असंवैधानिक और अवैध सरकार है। मेरी मां को दोषी ठहराने के लिए, उनके मुकदमे की सुनवाई तेज करने के लिए कानूनों में संशोधन किया गया। यानी इन कानूनों में अवैध रूप से संशोधन किया गया। मेरी मां को अपने बचाव पक्ष के वकील नियुक्त करने की अनुमति नहीं थी। ट्रायल से पहले ही अदालत के 17 जजों को बर्खास्त कर दिया गया, नए जज नियुक्त किए गए, जिनमें से कुछ को बेंच पर काम करने का बिल्कुल

दिल्ली में ब्लास्ट के 10 दिन बाद कश्मीर टाइम्स के दफ्तर पर एसआईए का छापा, एके-47 कारतूस-पिस्तौल राउंड बरामद

देश की राजधानी दिल्ली में लाल किले के पास मेट्रो के गेट नंबर-1 पर बम विस्फोट से 13 लोगों की मौत हुई। घटना के 10 दिन बाद यानी गुरुवार (20 नवंबर 2025) को जम्मू-कश्मीर पुलिस की स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (SIA) ने कश्मीर टाइम्स अखबार के जम्मू स्थित मुख्यालय पर छापा मारा।

छापे में AK-47 राइफल के कारतूस, पिस्तौल के लाइव राउंड और हैंड ग्रेनेड पिन बरामद हुए। यह कार्रवाई अखबार और उसके प्रमोटरों पर 'देश-विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देने' के आरोप में दर्ज FIR के तहत की गई। संपादकों ने इसे 'स्वतंत्र पत्रकारिता को चुप कराने की साजिश' बताते हुए निंदा की।

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

रेलवे मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में ट्रेन में औचक टिकट जाँच, 161 बिना टिकट यात्रिओं से जुमार्ना स्वरुप 50 हजार से अधिक की राशि वसूला

वडोदरा मंडल अपने सम्माननीय यात्रिओं से वैध टिकट के साथ यात्रा करने की अपील करता है और बिना टिकट यात्रा पर अंकुश लगाने के लिए समय समय पर विभिन्न अभियान चलाता है। मंडल के वाणिज्य विभाग द्वारा अहमदाबाद से एकतानगर जाने वाली जनशताब्दी एक्सप्रेस में हाल ही में रेलवे मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में औचक टिकट जाँच रखी गयी, जिसके अंतर्गत 161 यात्रिओं को बिना टिकट पाया गया और उनसे जुमार्ना स्वरुप 50 हजार से अधिक की राशि वसूल की गयी, जो अब तक की रेलवे मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में जाँच में सबसे अधिक आय है ।

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के जनसम्पर्क अधिकारी श्री अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 19 नवंबर, 2025 को अहमदाबाद से एकतानगर जाने वाली जनशताब्दी एक्सप्रेस में यात्रिओं द्वारा अनियमित यानि बिना टिकट यात्रा को हतोत्साहित करने के लिए वडोदरा मंडल के वाणिज्य बिभाग द्वारा रेलवे मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में औचक टिकट जाँच रखी गयी। टिकट जाँच दल में वाणिज्य विभाग के मुख्य टिकट इंस्पेक्टर श्री पी के झा, श्री रोशन लाल, श्री एम एस चौहान एवं उप मुख्य टिकट इंस्पेक्टर श्री तेजकरन एवं मुख्य टिकट कलेक्टर श्री ए के सिंह ने भाग लिया और यात्रिओं द्वारा बिना टिकट यात्रा के मामले पकड़े। इस औचक निरीक्षण में 161 यात्रिओं को बिना टिकट पाया गया और उनसे जुमार्ना स्वरुप 50 हजार से अधिक की राशि वसूल की गयी, जो अब तक की रेलवे मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में जाँच में सबसे अधिक आय है ।

ये उपलब्धियाँ पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल में गहन टिकट जाँच अभियानों के माध्यम से बिना टिकट यात्रा पर अंकुश लगाने और यात्री अनुशासन को बढ़ावा देने के वडोदरा मंडल के निरंतर प्रयासों को दशार्ती हैं।

पश्चिम रेलवे ने दर्ज किया अब तक का सर्वश्रेष्ठ टिकट जांच प्रदर्शन

मुंबई, पश्चिम रेलवे ने अप्रैल से अक्टूबर 2025 की अवधि के दौरान टिकट जांच के क्षेत्र में अपना अब तक का सर्वोत्तम प्रदर्शन प्राप्त किया है। इस दौरान लगभग 19 लाख बिना टिकट एवं अनियमित यात्रियों का पता लगाते हुए ¨ 121.67 करोड़ की राजस्व-राशि अर्जित की गई। इसमे अनबुक्ड लगेज के प्रकरण भी समाविष्ट हैं। यह उपलब्धि गत वर्ष की इसी अवधि में प्राप्त ¨ 80.56 करोड़ की आय की तुलना में 51% की महत्वपूर्ण वृद्धि प्रदर्शित करती है तथा यह रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित लक्ष्य से 14% अधिक है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, पश्चिम रेलवे ने अक्टूबर 2025 में भी उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए ¨ 24 करोड़ से अधिक की आय अर्जित की है, जो इस अवधि का दूसरा सर्वोत्तम मासिक रिकॉर्ड है। पश्चिम रेलवे का सर्वश्रेष्ठ मासिक रिकॉर्ड मई 2022 में स्थापित हुआ था, जब लगभग ¨ 26 करोड़ की आय प्राप्त हुई थी।

उल्लेखनीय है कि अहमदाबाद मंडल ने अक्टूबर 2025 में 50 हजार प्रकरणों का संज्ञान लेकर ¨ 4 करोड़ से अधिक की राशि वसूल कर अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ टिकट जांच प्रदर्शन दर्ज किया। इसी क्रम में, मुख्यालय की फ्लाइंग स्क्वॉड ने भी अक्टूबर 2025 में ¨ 2.20 करोड़ का उत्कृष्ट राजस्व अर्जित करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ मासिक रिकॉर्ड स्थापित किया, जो मई 2022 में प्राप्त ¨ 2 करोड़ के पूर्ववर्ती रिकॉर्ड से अधिक है।

अक्टूबर 2025 के दौरान पश्चिम रेलवे ने कई दैनिक राजस्व उपलब्धियों के नए रिकॉर्ड भी स्थापित किए। पश्चिम रेलवे द्वारा 17 अक्टूबर 2025 को लगभग ¨ 1.40 करोड़ की आय अर्जित की गई। इसी प्रकार 18 अक्टूबर 2025 को अहमदाबाद मंडल ने ¨ 38 लाख से अधिक, तथा रतलाम मंडल ने लगभग ¨ 16 लाख का राजस्व प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त, 19 अक्टूबर 2025 को मुख्यालय की फ्लाइंग स्क्वॉड ने लगभग ¨ 16.30 लाख की आय दर्ज की।

ये उपलब्धियां पश्चिम रेलवे द्वारा टिकट रहित एवं अनियमित यात्रा पर अंकुश लगाने, यात्री अनुशासन को प्रोत्साहित करने हेतु संचालित व्यापक टिकट जांच अभियानों की प्रभावशीलता को दशार्ती हैं।

महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे की अहमदाबाद एवं वडोदरा क्षेत्राधिकार के माननीय सांसदों के साथ बैठक का आयोजन

पश्चिम रेलवे द्वारा जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय एवं संवाद को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत 21 नवम्बर 2025 को अहमदाबाद एवं वडोदरा मंडलों के क्षेत्राधिकार में आने वाले माननीय सांसदों के साथ महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे श्री विवेक कुमार गुप्ता की एक बैठक का आयोजन अहमदाबाद स्थित सर्किट हाउस में किया जा रहा है। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य दोनों मंडलों में जारी यात्री सुविधाओं के उन्नयन, चल रही एवं प्रस्तावित परियोजनाओं, इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास तथा जनप्रतिनिधियों के सुझावों पर सार्थक संवाद स्थापित करना है।

बैठक में अहमदाबाद एवं वडोदरा मंडलों में प्रगति पर विभिन्न नवीन यात्री सुविधाओं तथा विकासात्मक उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। इस दौरान प्रजेंटेशन के माध्यम से अहमदाबाद मंडल पर दिवाली एवं छठ पूजा के दौरान किए गए उत्कृष्ट क्राउड मैनेजमेंट प्रयासों, मंडल में प्रगति पर विभिन्न रेल परियोजनाओं—जैसे नई रेल लाइनों, नई ट्रेन सेवाओं, मेजर रिडेवलपमेंट स्टेशनों (भुज, अहमदाबाद, साबरमती) तथा अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित किए जा रहे अन्य 16 स्टेशनों की प्रगति की समीक्षा प्रस्तुत की जाएगी। साथ ही रेल सुविधाओं, परियोजनाओं, ट्रेनों के नए ठहराव, ट्रेन विस्तार, फेरे बढ़ाने तथा अन्य ढांचागत आवश्यकताओं से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी और जनप्रतिनिधियों से सुझाव आमंत्रित किए जाएंगे।

इस बैठक में माननीय सांसदों में श्री हसमुखभाई पटेल (अहमदाबाद पूर्व), श्री दिनेशभाई मकवाना (अहमदाबाद पश्चिम), श्रीमती शोभनाबेन बारैया (साबरकांठा), श्री भरत सिंहजी डाभी (पाटन), श्री मितेशभाई पटेल (आणंद), श्री जशुभाई राठवा (छोटा उदयपुर), श्रीमती अनिता चौहान (रतलाम), श्री नरहरि अमीन (राज्यसभा) तथा श्री मयंकभाई नायक (राज्यसभा) उपस्थित रहेंगे।

रेलवे प्रशासन की ओर से महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे श्री विवेक कुमार गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक अहमदाबाद श्री वेद प्रकाश, मंडल रेल प्रबंधक वडोदरा श्री राजू भडके, पश्चिम रेलवे मुख्यालय से आए प्रमुख मुख्य रेल अधिकारी, फ्छऊअ तथा दोनों मंडलों के वरिष्ठ अधिकारी बैठक में उपस्थित रहेंगे।

यह पहल जनप्रतिनिधियों के साथ सहभागिता व सहयोग को बढ़ाकर रेल सुविधाओं के उन्नयन, यात्री सुविधाओं के विस्तार और क्षेत्रीय

पश्चिम रेलवे का वसई रोड एवं वैतरणा स्टेशनों के बीच 21/22 नवंबर 2025 की मध्यरात्रि को रात्रिकालीन ब्लॉक

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा रेलपथ, सिगनलिंग प्रणाली तथा ऊपरी उपस्करों के रख-रखाव हेतु शुक्रवार/शनिवार की मध्यरात्रि अर्थात 21/22 नवम्बर, 2025 को वसई रोड एवं वैतरणा स्टेशनों के बीच अप एवं डाउन फास्ट लाइनों पर छह घंटे का जम्बो ब्लॉक लिया जाएगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अप फास्ट लाइन पर यह ब्लॉक 23:55 बजे से 02:55 बजे तक तथा डाउन फास्ट लाइन पर 01:30 बजे से 04:30 बजे तक लिया जाएगा। ब्लॉक के कारण ट्रेन संख्या 19101 विरार-भरूच मेमू 15 मिनट विलंबित रहेगी और यह विरार स्टेशन से अपने निर्धारित समय 04:35 बजे के स्थान पर 04:50 बजे प्रस्थान करेगी।

इस ब्लॉक के बारे में विस्तृत जानकारी संबंधित स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध है।

अजमेर मण्डल में इंजीनियरिंग कार्य हेतु ब्लॉक के कारण कुछ ट्रेन प्रभावित रहेगी

उत्तर पश्चिम रेलवे के अजमेर मण्डल के मारवाड़ जं.-आउवा स्टेशनों के बीच स्थित ब्रिज नं. 590 किमी 437/4-5 पर आरसीसी बॉक्स लॉन्चिंग हेतु ब्लॉक लिए जाने के कारण कुछ ट्रेन प्रभावित रहेगी। जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

निरस्त ट्रेन

- 23 नवंबर 2025 को जोधपुर से चलने वाली ट्रेन संख्या 14821 जोधपुर-साबरमती एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।
- 24 नवंबर 2025 को साबरमती से चलने वाली ट्रेन संख्या 14822 साबरमती-जोधपुर एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

रेगुलेट ट्रेन

- 22 नवंबर 2025 की ट्रेन संख्या 14701 श्री गंगानगर-बांद्रा टर्मिनस अरावली एक्सप्रेस अजमेर-मारवाड़ के बीच 01.00 घंटा देरी से चलेगी।
- 23 नवंबर 2025 की ट्रेन संख्या 14822 साबरमती-जोधपुर एक्सप्रेस पालनपुर-मारवाड़ के बीच 25 मिनट देरी से चलेगी।

ट्रेनों के ठहराव, संरचना, मार्ग और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

माइगॉव के राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस क्विज 2025 के विजेताओं को इसरो, श्रीहरिकोटा में एक प्रेरणादायक यात्रा का अनुभव मिलेगा

(जीएनएस)।

देश के नागरिकों के साथ सार्थक रूप से जुड़ने के अपने मूल उद्देश्य के अनुरूप, भारत सरकार के नागरिक-सहभागिता मंच, माइजीओवी ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के उपलक्ष्य में कई पहल कीं। भारत की उल्लेखनीय अंतरिक्ष यात्रा के बारे में जागरूकता बढ़ाने और ज्ञान का प्रसार करने के उद्देश्य से, माइगॉव ने रचनात्मक प्रतियोगिताओं, सूचनात्मक सोशल मीडिया अभियानों, समाचार पत्रों, ब्लॉग, पॉडकास्ट और वीडियो सहित जन भागीदारी के लिए कई अवसर प्रदान किए।

इन प्रयासों में से एक प्रमुख पहल राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस प्रश्नोत्तरी 2025 थी। जिज्ञासा जगाने, वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने और भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के साथ जन जुड़ाव को गहरा करने के लिए डिजाइन की गई इस प्रश्नोत्तरी में देश भर से हजारों उत्साही प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसके अलावा, माइजीओवी ने शीर्ष 100 विजेताओं को 11 नवंबर 2025 को सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र - श्री हरिकोटा रेंज में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का दौरा करने का एक विशेष अवसर प्रदान किया।

इस यात्रा से विजेताओं को भारत के विश्वस्तरीय अंतरिक्ष अनुसंधान और प्रक्षेपण कार्यों की एक अनूठी, परदे के पीछे की समझ प्रदानकीगई। वरिष्ठ वैज्ञानिकों और अधिकारियों ने प्रतिभागियों के साथ बातचीत की, इस दौरान भारत की अंतरिक्ष यात्रा, प्रमुख उपलब्धियों और अत्याधुनिक तकनीकी विकास पर संवादात्मक सत्र आयोजित किए। निर्देशित दौरे के एक भाग के रूप में, विजेताओं को मास्टर कंट्रोल सेंटर और लॉन्च पैड 1 और 2, उन प्रतिष्ठित प्लेटफार्मों का दौरा करने का सम्मान प्राप्त हुआ, जहाँ से भारत के प्रक्षेपण यान अंतरिक्ष में जाते हैं। प्रतिभागियों ने रॉकेटों के संयोजन, परीक्षण, परिवहन और प्रक्षेपण के लिए उपयोग किए जाने वाले विशाल बुनियादी ढाँचे का अवलोकन किया—जो मिशन की सफलता सुनिश्चित करने वाली कठोर तैयारी की एक दुर्लभ झलक थी। इस अनुभव को "जीवन में एक बार मिलने वाला अवसर" बताते हुए, विजेताओं ने इसरो के नवाचार, सटीकता और राष्ट्रीय प्रगति के प्रति

प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। कई प्रतिभागियों ने बताया कि इस यात्रा ने विज्ञान, इंजीनियरिंग और अनुसंधान में करियर बनाने के उनके संकल्प को और मजबूत किया।

नवाचार और वैश्विक सहयोग के प्रति इसरो की निरंतर खोज भारत को वैश्विक अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र में एक प्रमुख नेतृत्वकर्ता के रूप में आकार दे रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, यह आदित्य-एल1, गगनयान और आगामी अंतरग्रहीय अन्वेषणों जैसे ऐतिहासिक मिशनों के साथ अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नई ऊँचाइयों को छू रहा है। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस प्रश्नोत्तरी जैसी पहल, वैज्ञानिक ज्ञान तक पहुँच को लोकतांत्रिक बनाने और अगली पीढ़ी के नव प्रवर्तकों और अन्वेषकों को पोषित करने की सरकार की प्रतिबद्धता को और रेखांकित करती है।

2025 की यात्रा, माइजीओवी द्वारा राष्ट्रीय स्तर की अंतरिक्ष प्रश्नोत्तरी आयोजित करने का तीसरा सफल वर्ष है —जिसकी शुरूआत 2023 में चंद्रयान-3 महा क्विज से हुई, उसके बाद 2024 में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस प्रश्नोत्तरी और अब 2025 संस्करण—प्रत्येक वर्ष शीर्ष प्रदर्शन करने वाले विजेताओं के लिए इसरो परिसर के एक प्रेरक शैक्षिक दौरे के साथ समापन हुआ। इन निरंतर प्रयासों के माध्यम से, माइजीओवी नागरिकों को भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों से जोड़ता रहेगा तथा जिज्ञासा, नवाचार और राष्ट्रीय गौरव की भावना को बढ़ावा देगा।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन और फ्रांस के आयुध महानिदेशालय ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास सहयोग बढ़ाने के लिए तकनीकी समझौते पर हस्ताक्षर किए

(जीएनएस)।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और फ्रांस के आयुध महानिदेशालय (डीजीए) के बीच रक्षा अनुसंधान एवं विकास सहयोग बढ़ाने के लिए तकनीकी समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। रक्षा विभाग के अनुसंधान एवं विकास सचिव और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के चेयरमैन डॉ. समीर वी. कामत और फ्रांस के राष्ट्रीय आयुध निदेशक (डीजीए), लेफ्टिनेंट जनरल गेल डियाज डी तुएस्टा ने 20 नवंबर, 2025 को नई दिल्ली स्थित रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन भवन में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए।

इस रणनीतिक साझेदारी का उद्देश्य भविष्य की रक्षा चुनौतियों के लिए अभिनव समाधान विकसित करने के लिए दोनों देशों/सरकारों की संयुक्त विशेषज्ञता और संसाधनों का लाभ उठाना है। यह रक्षा अनुसंधान एवं विकास में कौशल और ज्ञान को बढ़ाने के लिए संयुक्त अनुसंधान और प्रशिक्षण कार्यक्रमों, परीक्षण गतिविधियों, सूचनाओं के आदान-प्रदान, कार्यशालाओं और संगोष्ठियों के आयोजन आदि के लिए एक औपचारिक ढांचा प्रदान करती है।

इस समझौते के तहत, दोनों देशों को उपकरण, तकनीकी जानकारी और प्रौद्योगिकियों का हस्तांतरण लाभ मिलेगा। इस समझौते में उल्लिखित सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में वैमानिकी प्लेटफॉर्म, मानवरहित वाहन, रक्षा अनुप्रयोगों के लिए उन्नत सामग्री, साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष, नौवहन, उन्नत प्रणोदन, उन्नत सेंसर, क्वांटम प्रौद्योगिकियां, जल के भीतर प्रौद्योगिकियां और पारस्परिक हित के अन्य क्षेत्र शामिल हैं।

दोनों पक्षों ने विश्वास जताया है कि यह सहयोग राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक रक्षा प्रौद्योगिकी प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

26 अग्रणी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने 'डार्क पैटर्न' को खत्म करने के लिए सेल्फ-ऑडिट के साथ अनुपालन की घोषणा की

(जीएनएस)।

26 प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने डिजिटल मार्केटप्लेस में उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, स्वेच्छा से स्व-घोषणा पत्र प्रस्तुत किए हैं, जो डार्क पैटर्न की रोकथाम और विनियमन के लिए दिशानिर्देश, 2023 के अनुपालन की पुष्टि करते हैं। यह पहल उपभोक्ताओं को गुमराह करने या हेराफेरी करने वाली भ्रामक ऑनलाइन डिजाइन पर अंकुश लगाने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

इन प्लेटफार्मों ने डार्क पैटर्न की पहचान करने, इसका आकलन करने और उसे खत्म करने के लिए आंतरिक स्व-लेखा परीक्षा या तृतीय-पक्ष ऑडिट किया है। इन सभी 26 कंपनियों ने घोषणा की है कि उनके प्लेटफॉर्म डार्क पैटर्न से मुक्त हैं और किसी भी तरह के छेड़छाड़ वाले यूजर इंटरफेस डिजाइन का इस्तेमाल नहीं करते हैं।

उद्योग-व्यापी यह सक्रिय अनुपालन उपभोक्ता पारदर्शिता के प्रति एक मजबूत प्रतिबद्धता, निष्पक्ष व्यापार नियम और नैतिक डिजिटल इकोसिस्टम को दशार्ता है। यह स्वैच्छिक अनुपाल इस तथ्य को रेखांकित करता है कि उपभोक्ता संरक्षण और व्यावसायिक विकास साथ-साथ चल सकते हैं जिससे ब्रांड विश्वास और दीर्घकालिक विश्वसनीयता मजबूत होती है।

सीसीपीए ने अनुपालन को स्वीकृति देते हुए इसे उद्योग में सर्वोत्तम अभ्यास कहा है

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने इन घोषणाओं की सराहना की है। साथ ही अनुकरणीय करार देते हुए अन्य कंपनियों को इसी तरह के स्व-विनियमन को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया है। सीसीपीए ने पहले कंपनियों को निर्देश दिया था कि वे अपनी वेबसाइटों पर स्व-लेखा घोषणाओं को आसानी से सार्वजनिक पहुंच के लिए प्रमुखता से अपलोड करें।

इन घोषणाओं को सीसीपीए की वेबसाइट पर भी देखा जा सकता है: सीसीपीए अन्य सभी ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों, बाजार इकाइयों, सेवा प्रदाताओं और ऐप डेवलपर्स से आग्रह करता है कि वे इन कंपनियों द्वारा निर्धारित उदाहरण का पालन करें। भारत के डिजिटल क्षेत्र में काम करने वाले प्रत्येक व्यवसाय को यह समझना होगा कि भ्रामक जानकारियां देना अदूरदर्शी रणनीतियां हैं जो भविष्य में उपभोक्ताओं और व्यवसायों दोनों को नुकसान पहुंचा सकती हैं।

सोशल मीडिया अभियानों, सूचनात्मक वीडियो और आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से नेशनल कंज्यूमर हेल्प लाइन (एनसीएच) ने उपभोक्ताओं को डार्क पैटर्न की पहचान और उनकी जानकारी देने के लिए लोगों को शिक्षित किया है। इस तरह की शिकायतों का व्यवस्थित रूप से समाधान किया जा रहा है और जहां भी आवश्यक हो प्रवर्तन कार्रवाई पर विचार किया जा रहा है। सीसीपीए ने कहा है कि वह संभावित उल्लंघनों पर कड़ी नजर रख रहा है और गलत

भारतीय डाक विभाग ने दिल्ली विश्वविद्यालय में दूसरे पुनर्निर्मित जेन-जी विषय वाले डाकघर का उद्घाटन किया

(जीएनएस)।

भारतीय डाक ने आज दिल्ली विश्वविद्यालय डाकघर का उद्घाटन किया, जो जनरेशन जेड के साथ अधिक गहराई से जुड़ने की राष्ट्रव्यापी पहल के अंतर्गत रूपांतरित होने वाला विश्वविद्यालय परिसर का दूसरा डाकघर है। केंद्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया के दृष्टिकोण से निर्देशित इस पहल का उद्देश्य डाकघरों को जीवंत, विद्यार्थी-केंद्रित, प्रौद्योगिकी-सक्षम स्थानों के रूप में फिर से परिकल्पित करना है, जो युवा नागरिकों के साथ प्रतिध्वनित हों।

दिल्ली विश्वविद्यालय डाकघर का प्रवेश द्वार

दिल्ली विश्वविद्यालय डाकघर को मिरांडा हाउस एडवर्सिटी फाइन आर्ट्स

सोसाइटी के विद्यार्थी कलाकारों की सक्रिय भागीदारी से नया रूप दिया गया है। इनके विचारों ने भित्तिचित्रों, आंतरिक विषय और प्रचार सामग्री को आकार दिया है, जिससे डाकघर को एक विशिष्ट युवा-केंद्रित पहचान मिली है। मुफ्त वाई-फाई, समर्पित विद्यार्थी सेवा काउंटर, पार्सल पैकिंग सेवाएँ और रियायती स्पीड पोस्ट दस्तावेज सेवाएँ जैसी आधुनिक सुविधाएँ इस डाकघर को और भी आधुनिक और सुलभ बनाती हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय डाकघर में जेन-जेड के बैठने की जगह

यह परिवर्तन एक बड़ी पहल का हिस्सा है, जिसके अंतर्गत शैक्षणिक संस्थानों के 46 वर्तमान डाकघरों को शामिल किया जाएगा, जिनका जनवरी 2026 तक नवीनीकरण किया जाएगा।

डाक विभाग के डाक सेवा बोर्ड के सदस्य (कार्मिक) ने कार्यक्रम में बोलते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के अधिकारियों के समर्थन और सहयोग की सराहना की। इस विद्यार्थी केंद्रित परिवर्तन को साकार करने में उनके प्रोत्साहन और भागीदारी के लिए रजिस्ट्रार, डीन (प्रशासन), प्राचार्य,

कलोल स्टेशन का तेजी से हो रहा है पुनर्विकास

शहर के दोनों छोर और सभी प्लेटफॉर्मों को जोड़ने वाला 40 फीट चौड़े फूट ओवर ब्रिज के निर्माण से यात्रियों की आवाजाही होगी और अधिक सुगम

पश्चिम रेलवे अहमदाबाद मंडल के कलोल रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत तेजी से किया जा रहा है। लगभग ₹44.22 करोड़ की लागत से इस स्टेशन को आधुनिक, सुरक्षित, सुगम एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान किया जा रहा है। पुनर्विकास के अंतर्गत स्टेशन भवन का उन्नयन, नया एंट्री गेट एवं पोर्च, भव्य फसाड, विस्तृत सकुर्लेटिंग एरिया तथा पार्किंग सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। स्टेशन परिसर में सौंदर्यीकरण हेतु आकर्षक भित्तिचित्र भी लगाए जा रहे हैं।

स्टेशन को आधुनिक और सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से 70 और 80 वर्ग फीट चौड़े दो नए एंट्री गेट तथा समान आकार के दो निकास द्वार विकसित किए जा रहे हैं, जिससे यात्रियों की आवाजाही और अधिक सुविधाजनक होगी। इसके साथ ही लगभग 14,000 वर्ग फीट का विस्तृत स्टेशन भवन क्षेत्र आधुनिक मानकों के अनुसार तैयार किया जा रहा है। प्लेटफॉर्म पर बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने हेतु लगभग 20,000 वर्ग फीट का कवर शेड तैयार किया जा रहा है, जबकि 2,370 वर्ग फीट का विशाल वेटिंग हॉल यात्रियों को आरामदायक वातावरण प्रदान करेगा।

स्टेशन परिसर में वाहनों की

पार्किंग क्षमता बढ़ाते हुए 18,750 वर्ग फीट में 55 चार पहिया एवं 110 दोपहिया वाहनों के लिए सुसंगठित पार्किंग विकसित की जा रही है। इसके अतिरिक्त यात्रियों की सुरक्षित और सहज आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए लगभग 7,000 वर्ग फीट क्षेत्रफल का 40 फीट चौड़ा और 173 लंबा फूट ओवर ब्रिज बनाया जा रहा है, जो शहर के दोनों छोर और सभी प्लेटफॉर्मों को जोड़ते हुए सुगम कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। प्लेटफॉर्म विस्तार, कवर शेड और दूसरे प्रवेश द्वार के विकास का कार्य भी समानांतर रूप से किया जा रहा है।

पुनर्विकास कार्य के अंतर्गत कई प्रमुख कार्य पूर्ण हो चुके हैं। पुराने स्टेशन भवन को हटाने के बाद बुकिंग ऑफिस, वेटिंग हॉल एवं पैनल रूम को अस्थायी रूप से स्थानांतरित किया गया है। नए मुख्य भवन की नींव, प्रथम एवं द्वितीय मंज़िल का फ्छउ कार्य पूरा हो चुका है। प्लास्टर, टाइल्स एवं फसाड क्लैडिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है एवं अन्य फिनिशिंग कार्य जारी हैं। स्काईवॉक एवं लिफ्ट निर्माण का कार्य भी प्रारंभ हो गया है।

वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 2,000 यात्री कलोल स्टेशन का उपयोग करते हैं और 24 ट्रेनें यहां नियमित रूप से रुकती हैं। यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए हाल ही में चार प्रमुख ट्रेनों के ठहराव को भी स्वीकृति प्रदान की गई है, जिनमें शामिल हैं:

गाड़ी संख्या 20959/60 वलसाड-वडनगर एक्सप्रेस

गाड़ी संख्या 16507/08 जोधपुर-केएसआर बेंगलुरु एक्सप्रेस

गाड़ी संख्या 15269/70 मुजफ्फरपुर-साबरमती एक्सप्रेस

गाड़ी संख्या 12215/16 दिल्ली सराय रोहिल्ला-बांद्रा टर्मिनस गरीब रथ एक्सप्रेस

इन चार ट्रेनों के ठहराव से स्थानीय यात्रियों को विभिन्न दिशाओं में यात्रा करने के अधिक विकल्प उपलब्ध होंगे, जिससे आवागमन और भी सुगम एवं सुविधाजनक होगा। इससे व्यापार, रोजगार, शिक्षा और चिकित्सा जैसे क्षेत्रों में यात्रा करने वाले लोगों को सीधा लाभ मिलेगा।

भविष्य की आवश्यकताओं और क्षेत्र की लगातार बढ़ती जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए कलोल स्टेशन को प्रतिदिन लगभग 40,000 यात्रियों की आवाजाही को संभालने की क्षमता के अनुरूप विकसित किया जा रहा है। स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों से न सिर्फ यात्री सुविधाओं में व्यापक सुधार होगा बल्कि स्थानीय समुदाय को बेहतर कनेक्टिविटी का लाभ भी प्राप्त होगा।

कलोल स्टेशन का यह पुनर्विकास न केवल यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाएगा, बल्कि आधुनिक रेल अवसंरचना के माध्यम से क्षेत्रीय विकास को भी नई दिशा प्रदान करेगा।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 "डबल इंजन" की सरकार यानी केंद्र-राज्य एक गठबंधन फॉर्म्युले पर जनता की मुहर!

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के परिणामों ने राज्य की राजनीति और सामाजिक समीकरणों पर बड़ा प्रभाव डाला है। इस बार बीजेपी नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन रिकॉर्ड सीटों के साथ भारी बहुमत से सत्ता में लौट रहा है, जबकि महागठबंधन (राजद-कांग्रेस गठबंधन) को गंभीर झटका लगा है। चुनाव परिणाम के निष्कर्ष से स्पष्ट है कि एनडीए ने 243 में से 200 से अधिक सीटों पर जीत सुनिश्चित की है, जिसमें बीजेपी को 91, जेडीयू को 81 एवं लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 21 सीटें मिली हैं। वहीं, विपक्षी महागठबंधन महज 38 सीटों पर सिमट गया है, जिसमें राजद 26, कांग्रेस 4 और वामदल (सीपीआई, सीपीएम आदि) 6 सीटों पर आगे दिखे। ये आंकड़े अंतिम हैं। इसमें मामूली बदलाव सम्भाव्य है। मतदाता प्रतिशत 66.91% के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा, महिलाएं 71.6% की हिस्सेदारी के साथ निर्णायक भूमिका में रहीं। इन नतीजों के मायने दिलचस्प हैं- पहला, शासन और नेतृत्व पर असरः चुनाव परिणाम ने "डबल इंजन" की सरकार यानी केंद्र-राज्य एक ही साझा गठबंधन के फॉर्म्युले पर जनता की मुहर को मजबूती दी है। इससे राज्य में स्थिरता, नीति निरंतरता तथा केंद्र से सहयोग की उम्मीद है। एनडीए में बीजेपी की सीट्स जेडीयू से अधिक हैं, जिससे भाजपा का राज्य के सत्ता-समीकरण, मंत्रिमंडल गठन और नीतियों पर कड़ा प्रभाव होगा। इसे भी पढ़ें: बिहार चुनाव से पहले राहुल का 'वोट चोरी' दांव: क्या जेन-ज़ी को भड़काने की साजिश? दूसरा, विपक्ष के लिए संदेशः राजद और महागठबंधन की हार, खासकर युवा व महिला वोटर्स के बड़ी संख्या में एनडीए की ओर जाने के कारण हुई है, जिससे विपक्षी वृत्तियों को खुद की रणनीति और नेतृत्व की समीक्षा करनी होगी। तीसरा, सामाजिक-राजनीतिक पटल पर प्रभावः वोटर टर्नआउट में नई ऊंचाई और महिला वोटर्स का रुझान, सामाजिक विकास, शिक्षा-स्वास्थ्य, सुरक्षा के मुद्दों को आगे लाता है; वहीं जाति-आधारित राजनीति कुछ हद तक कमजोर होती दिखी। वहीं, छोटे दलों की भूमिका बनी रही, जिससे स्थानीय मुद्दे और क्षेत्रों के लिए बैलेंसिंग एक्ट की आवश्यकता बढ़ गई है। चतुर्थ, राष्ट्रीय राजनीति के लिए संकेतः बिहार का परिणाम 2029 के लोकसभा चुनाव के पहले एनडीए के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मनोबल और संदेश देता है कि क्षेत्रीय गठबंधन नीति और विकास एजेंडा कारगर है। वहीं, एक सवाल यह भी है कि बिहार परिणाम का राष्ट्रीय राजनीति पर असर क्या होगा? तो जवाब होगा कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में एनडीए की भारी जीत का राष्ट्रीय राजनीति पर कई स्तरों पर असर पड़ेगा। बिहार जैसे बड़े और राजनीतिक रूप से अहम राज्य में बीजेपी-जेडीयू गठबंधन की सफलता विपक्षी दलों, विशेष रूप से कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को कमजोर करती है, जबकि एनडीए की नीतियों और नेतृत्व को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती मिलती है। राष्ट्रीय राजनीति का नया समीकरणः एनडीए की जीत से प्रधानमंत्री, केंद्र सरकार और भाजपा नेतृत्व की लोक-प्रियता को बड़ा सहारा मिला है। इससे भाजपा आगामी लोकसभा चुनाव 2029 और अन्य राज्यों के विधानसभा चुनाव में मजबूत स्थिति में रहेगी। बिहार के नतीजे पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में एनडीए के लिए गति और उदाहरण बनेंगे। वहीं, विपक्षी इंडिया गठबंधन में अंदरूनी फूट, नेतृत्व संकट और जमीनी कमजोरियां उजागर हुई हैं। कमजोर प्रदर्शन से विपक्षी गठबंधन के भविष्य, नेतृत्व और संयुक्त रणनीति को लेकर गंभीर सवाल पैदा होंगे। साथ ही, ममता बनर्जी (प. बंगाल), अखिलेश यादव (यूपी) जैसे क्षेत्रीय नेताओं के लिए भी बिहार का परिणाम मार्गदर्शक होगा कि उन्हें अपनी गठबंधन संरचना पर पुनर्विचार करना पड़ेगा। नीतिगत और सामाजिक प्रभावः बिहार में एनडीए की सरकार के विकास-कार्य, स्वास्थ्य-शिक्षा और महिला-सशक्तिकरण एजेंडा राष्ट्रीय स्तर पर भी प्राथमिक्ता पा सकता है। वहीं, महिलाओं और युवाओं के बड़े हिस्से का समर्थन एनडीए को मिला, इससे सामाजिक सुधार और चुनावी रणनीति में इन वर्गों का महत्व बढ़ेगा। वहीं, भाजपा और जेडीयू में सीटों के समीकरण से भी केंद्रीय सत्ता में गठबंधन के आंतरिक समीकरण बदल सकते हैं।

कच्छ और सौराष्ट्र के लिए नए निवेश और औद्योगिक अवसरों के द्वार खोलेगा आगामी वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस

- कच्छ और सौराष्ट्र में तेजी से उभरते औद्योगिक एवं निवेश अवसर
- मोरबी, जामनगर, राजकोट, पोरबंदर, द्वारका और भावनगर पश्चिमी गुजरात के प्रमुख ग्रोथ हब
- द्वितीय वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंसः 8-9 जनवरी 2026 को राजकोट में

गांधीनगर,20 नवंबर :गुजरात सरकार कच्छ और सौराष्ट्र के समग्र विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से द्वितीय वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन कर रही है। यह सम्मेलन इन दोनों क्षेत्रों में उभर रहे औद्योगिक, आर्थिक और सांस्कृतिक अवसरों को सामने लाने का एक महत्वपूर्ण मंच होगा। साथ ही, यह पश्चिमी गुजरात में तेजी से बढ़ते निवेश, नए अवसरों और समावेशी विकास की गति को भी रेखांकित करेगा।

क्षेत्रीय विकास के प्रमुख क्षेत्रों पर रहेगा विशेष फोकस

सम्मेलन में सेरामिक्स, इंजीनियरिंग, पोर्ट और लॉजिस्टिक्स, मत्स्य उद्योग, पेट्रोकेमिकल्स, एग्रो एवं फूड प्रोसेसिंग, खनिज, ग्रीन एनर्जी, कौशल विकास, स्टार्टअप्स, एमएसएमई, पर्यटन और संस्कृति जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष चचाएं होंगी। रणनीतिक साझेदारियों, नीतिगत प्रोत्साहनों और निवेशकों की सक्रिय सहभागिता के माध्यम से यह आयोजन पश्चिमी पट्टी में सतत औद्योगिक विस्तार और संतुलित विकास को गति देने का उद्देश्य रखता है।

कच्छ से मोरबी और जामनगर तकः पश्चिमी गुजरात में उभरते नए निवेश केंद्र

कच्छ, भारत का सबसे बड़ा जिला, विकसित अवसंरचना, मजबूत बंदरगाह कनेक्टिविटी और विस्तार पाते औद्योगिक गलियारों के कारण आज वैश्विक व्यापार का प्रमुख केंद्र बन चुका है। कांडला और मुंद्रा जैसे देश के महत्त्वपूर्ण पोर्ट इसकी आर्थिक क्षमता को और मजबूती देते हैं। पशुपालन, विविध पर्यटन स्थलों और तेजी से विकसित हो रहे औद्योगिक क्षेत्रों ने कच्छ को पेट्रोकेमिकल्स, 32 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स और एग्रो प्रोसेसिंग के लिए अत्यंत आकर्षक निवेश गंतव्य बना दिया है।

मोरबी, जिसे देशभर में सिरेमिक कैपिटल ऑफ इंडिया के रूप में जाना जाता है, यह 900 से अधिक विनिर्माण इकाइयों के माध्यम से सिरेमिक उद्योग में गुजरात की नेतृत्वकारी भूमिका को स्थापित करता है। यह जिला घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में उल्लेखनीय योगदान देता है।

जामनगर, अपनी सशक्त औद्योगिक पहचान के साथ ब्रास सिटी ऑफ इंडिया के रूप में प्रसिद्ध है। यहाँ 15,000 से अधिक इकाइयाँ पीतल के महत्वपूर्ण उत्पादों का निर्माण करती हैं। आम, अमरूद और अनार जैसे उच्च मूल्य वाली बागवानी फसलों के उत्पादन ने इसे एग्रो-आधारित उद्योगों का महत्वपूर्ण केंद्र बनाया है। जामनगर में स्थित रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की एशिया की सबसे बड़ी रिफाइनरी इसकी वैश्विक औद्योगिक क्षमता को और बढ़ाती है।

राजकोट से तटीय जिलों तकः उद्योग, संस्कृति और व्यापार का मजबूत संगम

राजकोट, गुजरात का तीसरा सबसे बड़ा जिला, देश के मशीन टूल्स और विनिर्माण क्षेत्र में अग्रणी है। टरटए विकास, नवीन उद्यमिता और बांधणी-अजरख जैसी पारंपरिक कलाओं ने इसे औद्योगिक और सांस्कृतिक दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण बनाया है।

पोरबंदर, महात्मा गांधी की जन्मभूमि, मत्स्य उद्योग, मिनरल प्रोसेसिंग, हस्तशिल्प तथा देश के सबसे बड़े कॉस्टिक सोडा प्लांट के कारण औद्योगिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है। सौराष्ट्र केमिकल्स जैसी संस्थाएँ इस क्षेत्र के औद्योगिक तंत्र को मजबूती देती हैं।

देवभूमि द्वारका, भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ी पावन भूमि होने के साथ-साथ औद्योगिक रूप से भी उल्लेखनीय है। मिथापुर स्थित टाटा केमिकल्स का संयंत्र देश के प्रमुख सोडा ऐश उत्पादकों में शामिल है, जबकि ओखा बंदरगाह मछली उत्पादों, खनिजों और नमक के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय व्यापार में निर्णायक भूमिका निभाता है।

भावनगर, प्याज उत्पादन का महत्वपूर्ण केंद्र होने के अलावा अलंग में स्थित विश्व के सबसे बड़े शिप-ब्रेकिंग यार्ड के कारण वैश्विक समुद्री उद्योगों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। बोटाद एक उभरता हुआ औद्योगिक और सांस्कृतिक केंद्र बन रहा है। सुरेंद्रनगर, कपास, सौंफ और नमक उत्पादन में अग्रणी होने के साथ-साथ बंधनी और टांगलिया बुनाई की समृद्ध परंपरा के लिए भी प्रसिद्ध है।

जूनागढ़ और गिर सोमनाथ में कृषि और एग्रो-प्रोसेसिंग उद्योगों के साथ-साथ गिर राष्ट्रीय उद्यान और गिरनार पर्वत जैसी पर्यटन संपदाएँ इन्हें इको-टूरिज्म और फूड प्रोसेसिंग के नए अवसरों से जोड़ती हैं। अमरेली, जहां देश का पहला निजी क्षेत्र का पिपावाव पोर्ट स्थित है, यह थोक व कंटेनर कार्गो के लिए प्रमुख समुद्री द्वार है। एग्रो और फूड प्रोसेसिंग तथा सीमेंट उद्योग ने अमरेली को सौराष्ट्र की औद्योगिक विविधता में महत्वपूर्ण स्थान प्रदान किया है।

8 और 9 जनवरी 2026 को राजकोट में आयोजित होगा द्वितीय वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस

राजकोट में आयोजित होने वाली आगामी वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस गुजरात सरकार की क्षेत्रीय प्रगति को अगले चरण में ले जाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। सतत औद्योगिक इकोसिस्टम, कौशल विकास और नवाचार पर विशेष फोकस के साथ कच्छ और सौराष्ट्र 'विकसित गुजरात-विकसित भारत @2047' की परिकल्पना को साकार करने में निर्णायक भूमिका निभा रहे

पीएम ने कोयंबटूर में दक्षिण भारत प्राकृतिक कृषि शिखर सम्मेलन 2025 में किसानों के साथ बातचीत की

कृषि, नवाचार और स्थिरता की दिशा में किसानों का जुनून उल्लेखनीय है: प्रधानमंत्री

धान के क्षेत्र में तमिलनाडु द्वारा किया गया कार्य विश्व स्तर पर बेजोड़ है: प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री ने स्वच्छ गाँवों और कुशल पशुधन देखभाल के लिए गुजरात की 'कैटल हॉस्टल' अवधारणा का उल्लेख किया

(जीएनएस)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कल तमिलनाडु के कोयंबटूर में दक्षिण भारत प्राकृतिक कृषि शिखर सम्मेलन 2025 में किसानों से बातचीत की। श्री मोदी ने प्राकृतिक खेती में लगे किसानों का अभिवादन करते हुए केले की उपज का अवलोकन किया और केले के अवशेषों के उपयोग के बारे में जानकारी प्राप्त की। किसान ने बताया कि प्रदर्शित सभी वस्तुएँ केले के अवशेषों से बने मूल्यवर्धित उत्पाद हैं। प्रधानमंत्री ने पूछा कि क्या उनके उत्पाद पूरे भारत में ऑनलाइन बेचे जाते हैं, इस के उत्तर में किसान ने पुष्टि की। किसान ने आगे बताया कि वे किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और व्यक्तिगत योगदानकर्ताओं के माध्यम से पूरे

तमिलनाडु का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनके उत्पाद ऑनलाइन बेचे जाते हैं, निर्यात किए जाते हैं और पूरे भारत में स्थानीय बाजारों और सुपरमार्केट में भी उपलब्ध हैं। श्री मोदी ने पूछा कि प्रत्येक एफपीओ में कितने लोग एक साथ काम करते हैं, तो किसान ने उत्तर दिया कि लगभग एक हजार लोग इसमें शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने इस बात को स्वीकार किया और आगे पूछा कि क्या केले की खेती केवल एक ही क्षेत्र में की जाती है या अन्य फसलों के साथ मिश्रित की जाती है। किसान ने स्पष्ट किया कि विभिन्न क्षेत्र अलग-अलग विशिष्ट उत्पादों में विशेषज्ञता रखते हैं और उन्होंने यह भी बताया कि उनके पास जीआई उत्पाद भी हैं।

एक अन्य किसान ने बताया कि चाय की चार किस्में हैं- काली चाय, सफेद चाय, ऊलोंग चाय और हरी चाय। उन्होंने विस्तार से बताया कि ऊलोंग चाय 40 प्रतिशत किण्वित होती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि इन दिनों सफेद चाय का एक महत्वपूर्ण बाजार है, जिस पर किसान सहमत हुए। किसानों ने विभिन्न प्रकार की सब्जियों और फलों जैसे बैंगन और आम को भी प्रदर्शित किया जो विभिन्न मौसमों में प्राकृतिक खेती के माध्यम से उगाए जाते हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने फिर मोरिंगा या ड्रमस्टिक की ओर इशारा करते हुए पूछा कि क्या इस उत्पाद की वर्तमान में बाजार में मजबूत उपस्थिति है, जिस पर किसान ने सकारात्मक जवाब दिया। श्री मोदी ने इसकी पत्तियों के उपयोग के बारे में पूछा, जिस पर किसान ने बताया कि मोरिंगा की पत्तियों को पाउडर में संसाधित किया जाता है और निर्यात किया जाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन दिनों मोरिंगा पाउडर की काफी मांग है।

इसके उत्तर में किसान ने बताया कि पूरे प्रदर्शन में तमिलनाडु के जीआई उत्पाद शामिल थे, जिसमें कुंभकोणम के पान के पत्ते और मदुरै की चमेली सहित 25 वस्तुएं प्रदर्शित की गईं। श्री मोदी ने बाजार पहुंच के बारे में पूछा, जिस पर किसान ने जवाब दिया कि ये उत्पाद पूरे भारत में उपलब्ध हैं और तमिलनाडु में हर समारोह के दौरान प्रमुखता से प्रदर्शित किए जाते हैं। प्रधानमंत्री ने पूछा कि क्या वाराणसी के लोग भी पान के पत्ते प्राप्त करते हैं, जिस पर किसान ने सकारात्मक रूप से पुष्टि की।

श्री मोदी ने उत्पादन में वृद्धि के बारे में पूछा, जिस पर किसान ने जवाब दिया कि उनके पास वर्तमान में 100 से अधिक उत्पाद हैं, जिनमें शहद एक प्रमुख वस्तु है। प्रधानमंत्री ने बाजार क्षमता के बारे में पूछताछ की और किसान ने पुष्टि की कि मांग बहुत अधिक है और उनके शहद उत्पाद वैश्विक बाजारों तक पहुंच रहे हैं।

प्रधानमंत्री को आगे बताया गया कि उनके पास लगभग एक हजार पारंपरिक धान की किस्में हैं, जिनका पोषण मूल्य मोटा अनाज के बराबर है। श्री मोदी ने कहा कि धान के क्षेत्र में तमिलनाडु द्वारा किया गया कार्य वैश्विक स्तर पर बेजोड़ है। किसान ने इस बात पर सहमति जताते हुए इस कथन की पुष्टि करते हुए कहा कि निर्यात किए जा रहे सभी धान, चावल और संबंधित मूल्यवर्धित उत्पादों को आयोजन स्थल पर प्रदर्शित किया गया है।

राष्ट्रीय योजना समूह की 102वीं बैठक में पीएम गतिशक्ति के अंतर्गत प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं की समीक्षा की गई

एनपीजी ने रेलवे, सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग क्षेत्र की तीन प्रमुख परियोजनाओं का मूल्यांकन किया

(जीएनएस)। सड़क परिवहन एवं राजमार्गों की अवसंरचना परियोजनाओं का मूल्यांकन करने के लिए आज राष्ट्रीय योजना समूह (एनपीजी) की 102वीं बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (पीएमजीएस एनएमपी) के अनुरूप मल्टीमॉडल संपर्क एवं रसद दक्षता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

एनपीजी ने तीन परियोजनाओं का मूल्यांकन किया, जिनमें से एक सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की सड़क/हाईवे परियोजनाएं और दो रेलवे की परियोजनाएं थीं जिसका उद्देश्य यह देखना था कि वे पीएम गति शक्ति के एकीकृत मल्टीमॉडल अवसंरचना, आर्थिक एवं सामाजिक केंद्रों तक अंतिम-मील संपर्क एवं 'संपूर्ण सरकार' के दृष्टिकोण के सिद्धांतों के अनुरूप हैं या नहीं। इन पहलों से रसद की दक्षता बढ़ने, यात्रा समय कम होने और परियोजना के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों को महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक लाभ प्राप्त होने का अनुमान है। इन परियोजनाओं का मूल्यांकन एवं अनुमानित प्रभाव निम्नलिखित हैं:

परियोजनाओं का संक्षिप्त विवरणः

रेल मंत्रालय

पुनारख से किऊल स्टेशन (बिहार) के बीच तीसरी और चौथी लाइनः रेल मंत्रालय ने बिहार राज्य में पुनारख और किऊल स्टेशनों के बीच लगभग 49.57 किलोमीटर लंबी तीसरी और चौथी रेलवे लाइन के निर्माण का प्रस्ताव रखा है। प्रस्तावित खंड पटना और लखीसराय जिलों से होकर गुजरेगा, जिससे राज्य के प्रमुख औद्योगिक एवं कृषि गलियारों में रेल अवसंरचना मजबूत होगी।

यह कॉरिडोर सामरिक एवं आर्थिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है

क्योंकि यह अल्ट्राटेक सीमेंट संयंत्र, एसीसी सीमेंट (वारसलीगंज), एनटीपीसी बरौनी, एनटीपीसी सुपर थर्मल पावर संयंत्र (बाढ़), कैरिज रिपेयर वर्कशॉप (हरनौत) और एसजेवीएन उर्जा संयंत्र (चौसा) सहित प्रमुख औद्योगिक प्रतिष्ठानों की रेल क्षमता एवं रसद दक्षता में वृद्धि करेगा। इससे फतुहा, पटना-पाटलिपुत्र, मोकामा, बड़हिया और लखीसराय में ऑटोमोबाइल, मार्बल, पत्थर, खाद्य प्रसंस्करण, पेट्रोलियम और कपड़ा उत्पादन में शामिल कई लघु एवं मध्यम उद्योगों को भी लाभ प्राप्त होगा।

इस परियोजना से बिहार तथा देश के अन्य हिस्सों के लिए तेज, सुरक्षित एवं निर्बाध रेल संपर्क प्राप्त होगा जिससे आर्थिक एवं सामाजिक विकास को गति मिलने की उम्मीद है। बेहतर पहुंच से विशेष रूप से पटना, फतुहा, बख्तियारपुर और मोकामा जैसे केंद्रों को लाभ होगा, जिससे यात्री एवं माल ढुलाई दोनों में मदद मिलेगी।

इसके अलावा, प्रस्तावित रेलवे लाइन बापू टॉवर, महावीर मंदिर, गांधी संग्रहालय, खुदा बख्श लाइब्रेरी, कुम्हरार, पटना साहिब, गोल घर और बिहार संग्रहालय सहित कई महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों तक संपर्क में सुधार लाएगा, जिससे पर्यटन एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा।

सिलघाट (सिलघाट टाउन) से देकारगांव (तेजपुर) (असम) तक नई बड़ी लाइनः रेल मंत्रालय ने सिलघाट और देकारगांव के बीच एक नई रेलवे लाइन के निर्माण का प्रस्ताव रखा है, जो असम में ब्रह्मपुत्र नदी के तट पर स्थित स्टेशन को जोड़ते हुए लगभग 27.50 किलोमीटर की कुल दूरी तय करेगी। प्रस्तावित लाइन राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-15 और एनएच-715 के निकट स्थित है, जिससे रेल एवं सड़क परिवहन प्रणालियों के बीच मजबूत तालमेल स्थापित हो सकेगा।

इस नई लाइन के विकास का उद्देश्य क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देना तथा मौजूदा राजमार्गों एवं रेलवे नेटवर्क के बीच एक पूरक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर मल्टीमॉडल परिवहन को बढ़ावा देना है। यह एकीकरण यात्रियों एवं माल के निर्बाध आवागमन को सुनिश्चित करेगा, जिससे क्षेत्र में समग्र परिवहन दक्षता में सुधार होगा।

क्षमता वृद्धि परियोजना के लिए डिजाइन की गई प्रस्तावित लाइन, डेकारगांव और न्यू सिलघाट स्टेशनों के बीच मौजूदा रेल अवसंरचना को मजबूत करेगी तथा माल एवं यात्री यातायात दोनों के बढ़ते मांग को पूरा करेगी।

लंबी अवधि में, इस परियोजना से आंशिक आर्थिक वृद्धि एवं क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे असम और इसके आस-पास के क्षेत्रों में औद्योगिक गतिविधियां, व्यापार एवं पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में बेहतर संपर्क वाले सरकार के व्यापक दृष्टिकोण को समर्थन मिलेगा।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय

एनएच-65 (महाराष्ट्र) पर ओल्ड पुणे नाका से बोरमणि नाका तक पहुंच मार्ग सहित चार लेन एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माणः सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) ने महाराष्ट्र के सोलापुर में राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-65 पर ओल्ड पुणे नाका से बोरमणि नाका तक लगभग 9.66 किलोमीटर लंबे चार लेन एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण का प्रस्ताव दिया है।

यह परियोजना भारतमाला परियोजना (चरण-क) का हिस्सा है और इसमें अप्रोच रैंप और सर्विस रोड शामिल हैं, जिन्हें क्षेत्र में यातायात प्रवाह और समग्र संपर्क को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। एक बार पूरा होने के बदा यह कॉरिडोर शहर के यातायात को सुगम बनाने, यात्रा समय में कमी लाने, सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने और वाहन उत्सर्जन में कमी लाने में मदद करने वाला एक समर्पित और भीड़-भाड़ मुक्त मार्ग प्रदान करेगा। प्रस्तावित उन्नत गलियारा क्षेत्रीय संपर्क को मजबूत करने, आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और सोलापुर में धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन को समर्थन प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह पहल मंत्रालय की शहरी गतिशीलता में सुधार एवं सतत अवसंरचना विकास को बढ़ावा देने वाले निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ता है, जो भारतमाला परियोजना के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग आधुनिकीकरण एवं क्षमता वृद्धि लक्ष्यों के अनुरूप है।

जेएम और यूएन वूमेन ने सार्वजनिक खरीद में महिला उद्यमियों की भागीदारी बढ़ाने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए

(जीएनएस)। भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत सरकारी ई-मार्केटप्लेस (GeM) और संयुक्त राष्ट्र लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण निकाय (यूएन वूमेन) ने अनौपचारिक क्षेत्र की महिला उद्यमियों को देश की सार्वजनिक खरीद पारिस्थितिकी में सशक्तिकरण और एकीकरण बढ़ाने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह समझौता लैंगिक रूप से जिम्मेदार खरीद को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। इसमें महिलाओं के नेतृत्व वाले बिजनेस से ज्यादा सोर्सिंग को बढ़ावा देना शामिल है। इससे ङ्गीट की वुमनिया पहल के तहत महिला उद्यमियों के लिए बाजार पहुंच बढ़ सकेगी।

समझौते पर यूएन वूमेन इंडिया की कंट्री रिप्रेजेंटेटिव श्रीमती कांता सिंह, और GeM के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अजीत बी. चव्हाण ने हस्ताक्षर किए। GeM के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री मिहिर कुमार ने समारोह की अध्यक्षता की। अध्यक्षीय भाषण में उन्होंने कहा कि यह साझेदारी GeM की उस प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है जिससे GeM के जरिए महिला उद्यमियों की सार्वजनिक खरीद तक पहुँच बढ़ाकर और फॉरवर्ड मार्केट लिंकेज बनाकर उन्हें मजबूत बनाया जा सके।

GeM केंद्र और राज्य सरकार के मंत्रालयों, विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और स्वायत्त निकायों के लिए राष्ट्रीय सरकारी खरीद पोर्टल है। यह पारदर्शी, दक्ष और समावेशी खरीद को बढ़ावा देता रहता है। GeM के जरिए, महिला उद्यमी और स्व सहायता समूह (SHGs) सीधे सरकारी खरीदारों को अपने उत्पादों की आपूर्ति कर सकते हैं। आसान ऑनबोर्डिंग और खरीद में मदद करने के लिए, GeM ने हस्तशिल्प, हथकरघा उत्पाद, जूट और कॉयर के सामान, बांस के उत्पाद, ऑर्गेनिक फूड्स, मसाले, एक्सेसरीज, होम डेकोर और ऑफिस फर्निशिंग को कवर करने वाली जेनेरिक उत्पाद श्रेणी बनाई हैं।

इस समझौते के तहत, यू एन वूमेन प्रशिक्षण सामग्री डिजाइन करेगी, दुनिया भर में सबसे अच्छे तरीकों के बारे में बताएगी, सफलता की कहानियाँ साझा करेगी और महिलाओं के बिजनेस के लिए मान्यता देने की कसौटी बनाने में मदद करेगी। यू एन वूमेन वुमनिया - #VocalForLocal आउटलेट स्टोर को भी प्रमोट करेगी, संयुक्त राष्ट्र कार्यक्रम में हिस्सा लेने वालों की ऑनबोर्डिंग में मदद करेगी, एमएसएमई उद्यम पंजीकरण को बढ़ावा देगी, महिला प्रशिक्षकों को इकट्ठा करेगी और महिला उद्यमियों को सलाहकारों और संबंधित संस्थानों से जोड़ेगी।

GeM प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाएगा, सरकारी खरीदारों को जागरूक करेगा और महिला उद्यमियों की उपलब्धियों को बताएगा। GeM ऑनबोर्डिंग वर्कशॉप भी आयोजित करेगा, स्थानीय भाषा में ट्रेनिंग मटीरियल बनाएगा और उद्यमिता और अच्छे काम के अवसरों के लिए साझेदार बनाएगा। इसके अलावा, GeM महिला प्रशिक्षकों को जोड़ेगा और महिला उद्यमियों को सरकारी लैब्स और अनुसंधान एवं विकास संस्थानों के साथ जोड़ेगा ताकि उत्पाद विकास, सुधार और बाजार की तैयारी में मदद मिल सके।

GeM और यू एन वूमेन मिलकर लैंगिक रूपसे जिम्मेदार खरीद को बढ़ावा देने, हाइपर-लोकल मार्केट लिंकेज को मजबूत करने और टिकाऊ विकास लक्ष्य गोल 5 - लैंगिक समानता और सभी महिलाओं और लड़कियों के सशक्तिकरण लक्ष्य को प्राप्त करने में योगदान देने की दिशा में काम करेंगे।

समझौते पर यूनाइटेड नेशंस रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर ऑफिस (UNRCO), इंडिया की श्रीमती राधिका कौल बत्रा, दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारी और लघु उद्योग भारती, PHDCCI, और SEWA भारत जैसे व्यापार संघ के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए। हस्ताक्षर समारोह GeM कार्यालय, जीवन भारती बिल्डिंग, नई दिल्ली में हुआ।

प्रतिबंधित वृक्ष का कटान करवाने वाले किसान पर वन विभाग ने दर्ज किया मुकदमा

खखरेरू / फतेहपुर तेंदुआ गांव में प्रतिबंधित प्रजाति के वृक्षों पर हो रहे अवैध कटान के खिलाफ वन विभाग ने बड़ी कार्यवाही करते हुए एक किसान के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है। यह कदम क्षेत्र में बढ़ते वन अपराधों पर रोक लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार तेंदुआ गांव निवासी राम प्रसाद मौर्य पुत्र मोहन मौर्य ने प्रतिबंधित प्रजाति महुआ के हरे वृक्ष का अवैध रूप से विक्रय कर दिया था, जिसके बाद ठेकेदार द्वारा उसका कटान करा लिया गया। वृक्ष कटने की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुँची और कटे हुए वृक्ष की लकड़ी को कब्जे में ले लिया।

जांच के दौरान किसान राम प्रसाद मौर्य ठेकेदार का नाम व विवरण विभाग को उपलब्ध नहीं करा सके। इस गंभीर लापरवाही और प्रतिबंधित वृक्ष के विक्रय एवं कटान के आरोप में वन विभाग ने संबंधित धाराओं के अंतर्गत उसके खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।

वन विभाग की इस सक्रिय कार्यवाही से क्षेत्र में अवैध कटान में संलग्न वन माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है।

वन क्षेत्र अधिकारी विवेक शुक्ला ने बताया कि प्रतिबंधित प्रजाति के वृक्षों का कटान किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि झ 'वन संपदा के संरक्षण के लिए विभाग सख्त रूप अपनाए हुए है। अवैध कटान में संलिप्त व्यक्ति हो या सहयोग देने वाला, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।'

उन्होंने ग्रामीणों से अपील भी की कि यदि कहीं पर प्रतिबंधित वृक्षों का कटान होते दिखाई दे तो तुरंत विभाग को सूचना दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

पूनम शर्मा और आभा डालमिया ने किया मीना बाजार का शुभारंभ

फिक्की फ्लो लखनऊ द्वारा गवर्निंग बॉडी की बैठक और तीन दिवसीय अर्न्तराज्यीय सम्मेलन का आयोजन

लखनऊ । फिक्की फ्लो लखनऊ द्वारा तीन दिवसीय अर्न्तराज्यीय सम्मेलन का प्रारंभ गोमती नगर स्थित होटल ताज में किया गया। यहां पहले दिन मीना बाजार का आयोजन किया गया। मुगलकाल में शहर में प्रमुख बाजारों की एक गली को लेकर वहां मीना बाजार लगाया जाता था। इसी बात को ध्यान में रख कर फिक्की फ्लो ने आज होटल ताज में मीना बाजार नामक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में भाग लेनें के लिए फिक्की फ्लो ने पूरे देश से फिक्की फ्लो के सभी चैप्टर से लगभग 500 सदस्यों और पदाधिकारियों को आमंत्रित किया है और इसे अपने वर्षिक अन्तराज्यीय बैठक का स्वरूप दिया है।

इस प्रदर्शनी का उद्घाटन फिक्की फ्लो की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम शर्मा, फ्लो की संस्थापक अध्यक्ष आभा डालमिया,वरिष्ठ उपाध्यक्ष पूजा गर्ग, लखनऊ चैप्टर की चेयरपर्सन वंदिता अग्रवाल,रश्मि सरिता और गवर्निंग बॉडी मेंबर्स ने किया।

बांसुरी के मधुर संगीत और जगमगाती रोशनियो और आकर्षक स्टालो पर देश भर से आए सदस्यों ने जमकर खरीददारी की। साडी, सूट, लहंगा, शरारा, गेरूआ, दुपट्टा और स्टोल के स्टाल विशेष रूप से आगन्तुको को आकर्षित कर रहे थे।

इस सभी स्टालो में उत्तर प्रदेश की सभी प्रकार की हस्तकला जैसे मुकेश से लेकर चिकनकारी तक, बनारसी साडियो से लेकर जरदोजी, टिल्ला और पिट्टा का काम विशेष रूप से इस प्रदर्शनी में देखने को मिला इसके अलावा बाजार में नाजुक चप्पल और जूती, पोटली और अन्य आकर्षक घरेलू उत्पाद उत्तर प्रदेश के स्थानीय कारीगरों की कला को भी प्रदर्शित किया गया। इस मीना बाजार में अवध के अल्पज्ञात दुर्लभ आभूषणों का भी प्रदर्शन किया गया।

फ्लो की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम शर्मा ने कहा कि अंतरराज्यीय बैठक हमारे गतिशील अखिल भारतीय सदस्यों के प्रदर्शन, परामर्श और नेटवर्किंग साझा करने के अनुभव के लिए एक सामान्य मंच है। हमारा उद्देश्य पूरे भारत के दिल्ली सहित 21 अध्यायों से महिला उद्यमियों और पेशेवरों को एक साथ लाना है, विचारों के आदान-प्रदान और मन की बैठक के लिए एक आदर्श मंच प्रदान करना है। हमारा प्रयास नेतृत्व करने के लिए बुद्धि विकसित करना है साथ ही महिलाओं के लिए मजबूत आवाज के रूप में एक साथ आना है।

इस प्रदर्शनी के बारे में बताते हुए फिक्की फ्लो लखनऊ चैप्टर की चेयर पर्सन वंदिता अग्रवाल ने कहा कि यह बहुत गर्व की बात है कि लखनऊ इस बार फिक्की फ्लो के वार्षिक अंतराज्यीय सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। इस प्रदर्शनी के माध्यम से हम स्थानीय कला और कारीगरो की प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे है। हमारा उद्देश्य यह है कि देशभर से आए फिक्की फ्लो के सदस्यो के माध्यम से हमारे प्रदेश की कला का देश में प्रचार हो। और यह हमारे लिए बहुत ही गर्व और संतोष का अनुभव रहा है। इस प्रदर्शनी में 40 स्टाल लगे ।

इस दिन को यादगार बनाने के लिए शाम में दास्तान गोई का आयोजन हुआ जिसमें लखनऊ के स्टोरी टेलर हिमांशु बाजपेयी ने अपनी बेहतरीन कहानी सुनाकर दर्शकों का दिल जीत लिया।

आज के दिन का अंत राग रंग रूह के साथ हुआ, जिसमें कथक डांस और म्यूज़िक का एक शानदार अनुभव हुआ, जिसमें बहुत टैलेंटेड अनुज मिश्रा ने अपनी परफॉर्मेंस में लखनऊ के कल्चर और ताल की आत्मा को दिखाया। इस अवसर पर ज्योत्सना हबीबुल्ला, अंजू नारायण,आरुषि टंडन, स्वाति वर्मा,विभ सिमरन साहनी,शमा गुप्ता,स्मृति गर्गऔर वनिता यादव उपस्थित थे।

पीपुल्स जस्टिस पार्टी ने मनाया स्थापना दिवस

पार्टी ने 2027 के चुनाव में 150 सीटें जीतने का रक्खा लक्ष्य

हर कार्यकर्ता मिशन 2027 की तैयारी पूरी ताकत से करे:राशिद जमील

लखनऊ। पीपुल्स जस्टिस पार्टी का स्थापना दिवस कार्यक्रम सफलतापूर्वक मनाया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर पार्टी ने अपने पाँच वर्ष पूरे होने पर धन्यवाद अदा करते हुए न केवल अपने कार्य,संघर्ष और उपलब्धियों पर बात की बल्कि अपनी कमियों और मजबूती को लेकर खुले आम चर्चा की गई है।

कार्यक्रम में पार्टी ने घोषणा की कि आने वाले समय में

और अधिक मजबूत, प्रभावी, क्रांतिकारी, भावनात्मक और जनझ आधारित तरीके से जनता की सेवा जारी रखेगी।

पार्टी ने 'इत्तेहाद झ अमन झ इकदाम' के साथ आगे बढ़ने का संकल्प दोहराया और स्पष्ट कहा कि मिशन 2027 में लक्ष्य 150 सीटें हैं।पार्टी ने औपचारिक रूप से घोषित किया कि

चुनाव 2027 में 150 सीटों के लक्ष्य के साथ उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक मजबूत और निर्णायक भूमिका निभाई जाएगी।

इ स अवसर पर कई लोगों ने जो अन्य दलों को छो ड़ क र पीपुल्स जस्टिस पार्टी की सदस्यता और नेतृत्व पर भरोसा जताया है।

पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए अध्यक्ष राशिद जमील खान ने कहा कि

'हम इत्तेहाद,अमन और सामूहिक कदम के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हर पदाधिकारी और हर कार्यकर्ता मिशन 2027 की तैयारी पूरी ताकत से करे। यह समय राष्ट्र, वंचित वर्गों, दलितझ मुस्लिम एकता और न्याय के लिए मजबूत आवाज बनने का है।'

इस अवसर पर पार्टी प्रवक्ता सुहैब उर रहमान अबू इंकलाब ने संबोधन करते हुए कहा कि बड़े दुख की बात है कि

'कुछ बच्चों की गलतियों के आधार पर अलझफलाह कॉलेज की अहमियत कम करा जो पूरे समाज अहमियत कम करने के बराबर है। संस्थानों को मजबूत करना आवश्यकता है, कमजोर करना नहीं।'उन्होंने आगे कहा कि पीपुल्स जस्टिस पार्टी 2027 के चुनाव में 150 सीटों के लक्ष्य के साथ उतरेगी और दलितझमुस्लिम एकता के सिद्धांत पर नई राजनीतिक शक्ति खड़ी करेगी।'

पार्टी के सरपरस्त अरशद सिद्दीकी(चेयरमैन, रेड क्रिसेंट सोसाइटी ऑफ इंडिया)

कार्यक्रम में मौजूद नहीं थे, लेकिन उन्होंने अपने संदेश में कहा कि पीपुल्स जस्टिस पार्टी आम इंसान,कमजोर तबका, नौजवान, महिलाएँ, दलितझमुस्लिम एकता और न्याय की राजनीति का नाम है। पार्टी की पाँच साल की यात्रा से उम्मीद और बदलाव की शुरूआत हुई है।असली सफर अब मिशन 2027 है,जिसे हर हाल में मजबूत बनाना है।'पीपुल्स जस्टिस पार्टी हर उस नागरिक की आवाज है जो न्याय चाहता है,जो बेहतर शिक्षा,आर्थिक तरक्की, सामाजिक समानता, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और शांति का इच्छुक है।

हम दलितझमुस्लिम भाईचारे, राष्ट्रीय एकता और विकास के रास्ते पर ईमानदारी से आगे बढ़ने का वादा करते हैं।

मिशन 2027 जनता का मिशन है — और यह आपकी समर्थन के बिना संभव नहीं।'

कार्यक्रम में कई सामाजिक और राजनीतिक व्यक्तित्व उपस्थित रहे जिनमें इंसानियत वेलफेयर सोसाइटी के कुदरत उल्लाह खान,पार्टी के जनरल सेक्रेटरी मुहम्मद अली अलीग

मुहम्मद अमजद बिजनौर

बिहार प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अनवर फरीदी,इकदाम फाउंडेशन के अरशद लखनवी,पी सी कुरील,

शशि सिंह पटेल,मौलाना सईद कासमी,मौलाना अकरम नदवी

अनिल उपाध्याय,

आफाक अहमद,फहीम

गली मोहल्ला क्रिकेट लीग (जीएमसीएल) ने उत्तर प्रदेश चैप्टर लॉन्च किया

घरेलू और इंटरनेशनल क्रिकेट में युवाओं के लिए एक क्रांतिकारी प्लेटफॉर्म के तौर पर उभर रहा है

लखनऊ, उत्तर प्रदेश` 20 नवंबर, 2025 गली मोहल्ला क्रिकेट लीग (जीएमसीएल) तेजी से एक नेशनल मूवमेंट बन रहा है, जो पूरे भारत के युवाओं को घरेलू और इंटरनेशनल, दोनों तरह के क्रिकेट में प्रोफेशनल करियर बनाने के लिए बहुत अच्छे मौके दे रहा है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद (जीएमसीएल) उत्तर प्रदेश स्टेट के वर्किंग कमेटी मेंबर्स में सरदार इंद्रप्रीत सिंह, फाउंडर, (जीएमसीएल), राकेश रस्तोगी, उत्तर प्रदेश, कॉरिडोरेटर, सत्य प्रकाश गुलेरिया, एस के गोपाल, अमन सूर्यवंशी, धीरज शर्मा, शुभम कश्यप और नीरज शर्मा शामिल थे।इस पहल के बारे में बात करते हुए, जीएमसीएल के फाउंडर बाबा इंदर प्रीत सिंह ने कहा, ' जीएमसीएल

एक अनोखा प्लेटफॉर्म है जहाँ दूर-दराज के गांवों के भी युवा लड़के और लड़कियां ग्लोबल स्टेज पर अपना क्रिकेट टैलेंट दिखा सकते हैं। हमारा विजन है कि उभरते हुए खिलाड़ी फाइनेंशियल या ज्योग्राफिकल रुकावटों के बावजूद प्रोफेशनली क्रिकेट खेल सकें।'

भारत के सबसे बड़े ग्रासरूट-लेवल टेनिस बॉल बॉक्स-क्रिकेट टूर्नामेंट में से एक के तौर पर पहचाने जाने वाले जीएमसीएल, उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में फेज 1 मैच शुरू करेगा। हर जिले से 16 टीमें लीग मैचों में मुकाबला करेंगी, जिसके बाद डिस्ट्रिक्ट-लेवल के विजेता सुपर 8 स्टेट टीमें बनाएंगे, जो यु पी स्टेट चैंपियनशिप के लिए मुकाबला करेंगी।

लीग के कामकाज की देखरेख के लिए एक डेडिकेटेड स्टेट कोर कमेटी बनाई जा रही है, और राज्य के ऑफिशियल लॉन्च के मौके पर जल्द ही मुजफ्फरनगर में एक एग्जीबिशन मैच होने वाला है। यह लीग युवाओं के लिए एक बड़ा मौका साबित हो रही है झ खासकर उन लोगों के लिए जो फाइनेंशियली चैलेंज्ड बैकग्राउंड या दूर-दराज के इलाकों से हैं झ जो नेशनल और इंटरनेशनल दोनों लेवल पर पहचान, कमाई और एक्सपोजर दे रहे हैं।(जीएमसीएल) को दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान और महाराष्ट्र में जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। फेज 1 में, लीग इंटरनेशनल लेवल पर भी बढ़ेगी, और पाँच देशों में मैच कराएगीः मी ना रीजन, हांगकांग, मलेशिया, सिंगापुर और नेपाल।अपनी बढ़ती पहुंच और सबको साथ लेकर चलने वाले विजन के साथ, गली मोहल्ला क्रिकेट लीग जीएमसीएल पहली बार जमीनी स्तर पर बेमिसाल मौके देकर युवा क्रिकेट में क्रांति लाने के लिए तैयार है।

मशहूर ओ मारूफ शाइर डॉक्टर तारिक कमर के नए शेरी मजमूए 'धूप छाँव की सरगोशियां' की रूनुमाई

अंदाज-ए-बयाँ के प्लेटफॉर्म से कासिम राज की खुसूसी पेशकश

दुबई।

अदब की दुनिया में तारिक कमर का नाम किसी तआरुफ का मोहताज नहीं। वो अपनी अदबी व सहाफती सलाहियतों की वजह से पूरी दुनिया में अपनी मुमताज शनाख़्त रखते हैं। दुबई की अहम अदबी तंजीम अंदाज-ए-बयाँ और के अहम और मौतबर प्लेटफॉर्म से तारिक कमर की ग्यारहवीं किताब धूप छाँव की सरगोशियां की रस्म-ए-इजरा अदा की गई। इस किताब को हिंदी और उर्दू दोनों जबानों में जनाब कासिम राज ने मुरत्तब किया है।

'दुबई में अंदाज-ए-बयाँ और' के हालिया आलमी मुशायरे से पेशतर मोहतरमा शाज़िया किदवई, जनाब रेहान सिद्दीकी, जनाब कासिम राज, जनाब तहजीब हाफी, जनाब उफी सिद्दीकी, जनाब शकील आजमी और जनाब ताहिर फराज समेत दुनियाए इल्म ओ अदब की मुमताज शख़्सियतों के दरमियान शैख राशिद ऑडिटोरियम में इस अहम शेरी मजमूए की रस्म-ए-इजरा अदा की गई।

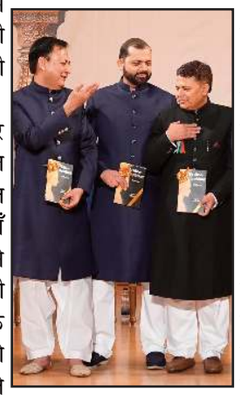

इस मौके पर तहजीब हाफी, शकील आजमी, ताहिर फराज और अंदाज-ए-बयाँ और के ज़िम्मेदारान ने इस अहम किताब की तर्तीब ओ पेशकश के लिए कासिम राज को मुबारकबाद पेश करते हुए कहा कि डॉक्टर तारिक कमर जैसे अहम शायर की तख़्लीकात, गजलों और नज्मों को दुनिया के सामने किताबी शक्ल में पेश करके कासिम राज ने अहम कारनामा अंजाम दिया है।

शाज़िया किदवई ने डॉ. तारिक कमर के कई शेर पेश करते हुए कहा कि ये अंदाज-ए-बयाँ और की खुशनसीबी है कि आज हम अपने देश और दुनिया के बड़े फनकार की किताब को अपने प्लेटफॉर्म से दुनिया के सामने पेश कर रहे हैं।

वाजेह रहे कि इस से कब्ल भी मुख़्तलिफ उन्वानात से तारिक कमर की दस किताबें मंजर-ए-आम पर आ चुकी हैं और उनकी शायरी पर मुमताज नक़्क़ादों, अदीबों व शुअरा ने बहुत अच्छे अंदाज में इजहार-ए-खयाल करते हुए उन्हें इस अहद का मुस्तनद और मौतबर शायर करार दिया है। डॉक्टर तारिक कमर की शायरी, उनकी नज्मों और गजलों की सम्त ओ रफ़्तार और अदबी रुजहान पर पी एच डी भी मुकम्मल की गई है।

रस्म-ए-इजरा की अदा-ए-गी से कब्ल कई अहम लोगों ने तारिक कमर की शायरी और उनके फन पर इजहार-ए-खयाल करते हुए उन्हें अदब के सरमाये से ताबीर किया। नई नस्ल के हरदिलअजीज शायर तहजीब हाफी ने कहा कि तारिक कमर माहिर-ए-फन भी हैं और माहिर-ए-जबान भी। शकील आजमी ने कहा कि तारिक कमर नई नस्ल की शायरी का ऐसा नाम हैं जिन पर हम फख्र करते हैं। ताहिर फराज के मुताबिक तारिक कमर ने अपनी इल्मी ओ अदबी कोशिशों से अपने बड़ों का सर फख्र से बुलंद कर दिया है और अपने छोटों के लिए वो मिसाल बन गए हैं।

इस मौके पर अदब और शायरी की खामोश खिदमत कर रहे कासिम राज की इस कोशिश को खूब सराहा गया।

'एक्सीलिया स्कूल ने 'फ्लाइंग सिख' मिल्खा सिंह को जन्मदिन पर किया याद'

लखनऊ। एक्सीलिया स्कूल में महान धावक 'फ्लाइंग सिख' मिल्खा सिंह जी का जन्मदिवस बड़े उत्साह और सम्मान के साथ मनाया गया। आज ही के दिन 20 नवंबर 1929 को गोविंद पुरा पंजाब में (वर्तमान में पाकिस्तान में) महान धावक 'फ्लाइंग सिख' मिल्खा सिंह जी का जन्म हुआ था। कार्यक्रम की शुरूआत विशेष प्रार्थना सभा के साथ हुई, जिसमें छात्रों ने मिल्खा सिंह के प्रेरणादायक जीवन और उनके संघर्षों पर प्रकाश डाला। कक्षा-9 अ के छात्र हरजोत सिंह नंदा ने अपनी प्रस्तुति 'मिल्खा सिंह' का रूप रखकर दी।

विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती मीनू श्रीवास्तव ने मिल्खा सिंह जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजिल अर्पित की। प्रधानाचार्या महोदया ने अपने संबोधन में बच्चों को बताया

कि मिल्खा सिंह जी केवल एक एथलीट ही नहीं, बल्कि लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने छात्रों को उनके अनुशासन, कार्य के प्रति निष्ठा और देशभक्ति के भाव को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

विद्यालय के लिए 16/12/2018 एक ऐसा विशेष दिन था जब 'फ्लाइंग सिख' मिल्खा सिंह एक्सीलिया आये थे यादगार के रूप में लिए गए उनके पद चिह्न आज भी विद्यालय में सुरक्षित हैं। विद्यालय में उनके आगमन से जुड़ी अनेकों स्मृतियाँ जगह- जगह पर अंकित हैं। विद्यालय की खेल शाखा द्वारा उनके जीवन पर आधारित एक प्रेरक प्रस्तुति दी गई, जिसमें उनकी कठिनाइयों, देशप्रेम और दृढ़ इच्छाशक्ति को दशार्या गया। छात्रों ने 'मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास' पर आधारित छोटे-छोटे भाषण भी प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'मिनी रनिंग इवेंट' था, जिसमें विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने भाग लेकर मिल्खा सिंह जी के सपनों और समर्पण को जीवंत किया। खेल शिक्षक ने बच्चों को समझाया कि मिल्खा सिंह की तरह हमें भी अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ रहना चाहिए और निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए।

फंड्सइंडिया ने बच्चों के लिए समय पर वित्तीय योजना को बढ़ावा देने के लिए लॉन्च किया डिजिटल अभियान #स्मार्ट पेरेंट मूव

20 नवंबर: भारत के प्रमुख ऑनलाइन निवेश प्लेटफॉर्म में से एक फंड्सइंडिया ने #स्मार्ट पेरेंट मूव नाम से एक डिजिटल अभियान शुरू किया है। इस अभियान का उद्देश्य माता-पिता को प्रोत्साहित करना है कि वे अपने बच्चों के भविष्य के लिए समय पर योजना बनाएं और समझदारी से निवेश करें।

यह अभियान फंड्सइंडिया की मूल सोच, वित्तीय योजना तथा निवेश में उनकी विशेषज्ञता पर आधारित है। इसका उद्देश्य माता-पिता के लिए तेज ऑनबोर्डिंग, एकल-लॉगिन अकाउंट मैनेजमेंट, और दीर्घकालिक तथा कर-कुशल निवेश के माध्यम से अपने बच्चे के भविष्य की योजना बनाने में सक्षम बनाना है।

यह अभियान एक साधारण लेकिन मजबूत समझ पर आधारित है: माता-पिता अपने बच्चों के लिए बड़े सपने देखते हैं, लेकिन कई बार वित्तीय योजना बनाने में देरी कर देते हैं, नतीजतन, जब बड़े खर्च सामने आते हैं तो वे शिक्षा और पर्सनल लोन के बीच फँस जाते हैं। #स्मार्ट पेरेंट मूव इस सोच को बदलता है और यह संदेश देता है कि सही मायनों में प्यार और दूरदर्शिता वही है, जब माता-पिता समय रहते अपने बच्चे के लिए निवेश शुरू करें। यह अभियान इस जिम्मेदारी की तात्कालिकता और महत्त्व को रेखांकित करता है।

रोचक सोशल मीडिया कंटेंट, एक शॉर्ट वीडियो और पॉडकास्ट स्ट्रीमिंग के माध्यम से फंड्सइंडिया यह दिखाता है कि बच्चे के नाम से निवेश खाता खोलने से माता-पिता को कितने फायदे मिलते हैं। इसके जरिए वे बच्चे के नाम पर निवेश कर सकते हैं, वित्तीय लक्ष्य ट्रैक कर सकते हैं, और एक ही लॉगिन से आसानी से सब कुछ मैनेज कर सकते हैं। अभियान टैक्स लाभ और कंपाउंडिंग की शक्ति पर भी जोर देता है, जो जल्दी योजना बनाने को न सिर्फ आर्थिक रूप से फायदेमंद बनाता है, बल्कि भावनात्मक रूप से भी संतुष्टिदायक बनाता है, जिससे माता-पिता को यह कदम उठाने की प्रेरणा मिलती है।

फंड्सइंडिया के ग्रुप सीईओ, श्री अक्षय सप्रू कहते हैं, 'हमने अक्सर ऐसे माता-पिता की कहानियाँ सुनी हैं जो बाद में पछताते हैं कि काश उन्होंने अपने बच्चे के भविष्य के लिए निवेश पहले ही शुरू कर दिया होता। रोजमर्रा की भागदौड़ में माता-पिता अक्सर बच्चे की शिक्षा की योजना बनाना टाल देते हैं। लेकिन समय बहुत तेजी से निकल जाता है, और पता ही नहीं चलता कि कब आपका बच्चा अपने सपनों को पूरा करने के लिए तैयार खड़ा है। उस समय कई माता-पिता मजबूरी में पर्सनल लोन लेते हैं, सोना गिरवी रखते हैं या कर्ज. में फँस जाते हैं ताकि बच्चे के सपने पूरे हो सकें। और कई बार, जब लोन मिलना संभव नहीं होता, तो बच्चे के सपनों को ही त्यागना पड़ता है। हम इस स्थिति को बदलना चाहते हैं।'

'यह अभियान इसलिए बनाया गया है ताकि माता-पिता समय रहते जिम्मेदारी संभालें और समझें कि आज किए गए छोटे-छोटे लेकिन नियमित निवेश आने वाले समय को तनाव-मुक्त बना सकते हैं। अपने बच्चे के भविष्य में अभी निवेश करना सिर्फ समझदारी भरी योजना नहीं है, बल्कि उनके लिए दिया जा सकने वाला सबसे बड़ा उपहार है।'

भावनात्मक कहानी कहने और व्यावहारिक वित्तीय समझ को जोड़कर, स्मार्ट पेरेंट मूव माता-पिता को जल्दी योजना बनाने के फायदों के बारे में भरोसा दिलाता है और उनके निर्णयों में आत्मविश्वास बढ़ाता है। अभियान का उद्देश्य माता-पिता में जागरूकता बढ़ाना है, ताकि वे समझदारी भरे वित्तीय फैसलों के जरिए अपने बच्चों का जीवन बेहतर बना सकें और आखिरी समय में कर्ज. लेने के बजाय लंबी अवधि की सशक्त योजना पर ध्यान दे सकें।

मिलट्री इनसीगनिया आर्क का झांसी में हुआ उद्घाटन

लखनऊ। हैदराबाद स्थित डीपटेक कंपनी सिंप्लिफोर्ज ने आईआईटी हैदराबाद के सहयोग से देश के पहले और सबसे बड़े मिलट्री इनसाइनिया आर्च का निर्माण किया है। यह भारत की सैन्य विरासत और डिजिटल निर्माण के भविष्य को समर्पित एक ऐतिहासिक पहल है। भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता, शक्ति और अदम्य साहस के प्रतीक बाघ के चेहरे को प्रभावशाली रूप में डिजाइन किया गया है। यह शानदार ढांचा अब झांसी कैंटोनमेंट में शान से खड़ा है। यह अनोखा आर्किटेक्चर सिर्फ एक प्रवेश द्वार ही नहीं है, बल्कि एक संदेश है। 5.7मी गुणा 3.2मी गुणा 5.4मी माप वाला यह प्रवेश द्वार सिंप्लिफोर्ज की अत्याधुनिक रोबोटिक आर्म आधारित 3डी कंक्रीट प्रिंटिंग तकनीक से बनाया गया है। यह डिफेंस निर्माण इनोवेशन में एक महत्वपूर्ण कदम है। बाघ-थीम वाला यह आर्क कैंटोनमेंट के भीतर स्थित इनडोर स्पोर्ट्स एरीना की ओर भी जाता है, जो प्रतीकात्मक और उपयोगी इंफ्रास्ट्रक्चर को सहजता से जोड़ रहा है। यह परियोजना कर्नल अखिल सिंह चरक के दूरदर्शी नेतृत्व में परिकल्पित की गई थी। इसके संरचनात्मक और डिजाइन विकास का नेतृत्व आईआईटी हैदराबाद के प्रोफेसर के. वी. एल. सुब्रमणियम (एचएजी) और सिंप्लिफोर्ज ने संयुक्त रूप से किया है।

कॉन्सेप्ट से लेकर क्रियान्वयन तक, इस प्रवेश द्वार को बारीकी से तैयार किया गया ताकि यह हर उस व्यक्ति में गर्व, पहचान और सम्मान की भावना जागृत करे जो इसके नीचे से गुजरता है। इसका आकर्षक रूप केवल प्रतीकात्मक नहीं है यह इस बात का भविष्यगामी प्रमाण है कि भारत का डिफेंस इन्फ्रास्ट्रक्चर स्वदेशी, इनोवेशन और सहयोग के माध्यम से क्या हासिल कर सकता है।

भारतीय सेना के कर्नल अखिल सिंह चरक ने अपने विचार साझा करते हुए कहा, 'यह प्रवेश द्वार सिर्फ एक संरचना नहीं है यह हमारे बलों के मूल्यों 'नाम, नमक, निशान' का प्रतिनिधित्व करता है। यह एक नए विचार के रूप में शुरू हुआ था। अब यह एक मूर्त रूप ले चुका है। यह प्रवेश द्वार हमारी विरासत, हमारे गौरव और भारतीय सेना की दूरदर्शी सोच को प्रदर्शित करता है। 3डी प्रिंटिंग तकनीक के विकास और डिफेंस इन्फ्रास्ट्रक्चर को नए रूप में परिभाषित करने में महत्वपूर्ण योगदान के लिए मैं आईआईटी हैदराबाद और सिंप्लिफोर्ज का आभार व्यक्त करता हूँ।' फसाद के बारे में बात करते हुए आईआईटी हैदराबाद के प्रोफेसर के. वी. एल. सुब्रमणियम (एचएजी) ने कहा, 'बाघ फसाद दशार्ता है कि उन्नत 3डी कंक्रीट प्रिंटिंग तकनीक हमें पारंपरिक सीमाओं से परे जाकर स्ट्रक्चरल डिजाइन को नए तरीके से सोचने की अनुमति देती है। स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों और एक विशेष रूप से तैयार प्रिंटेबल मिश्रण का उपयोग करके, हम एक जटिल, जैविक आकृति तैयार करने में सफल हुए हैं। यह इंजीनियरिंग की सटीकता को आर्किटेक्चर से जोड़ती है। यह परियोजना सामग्री विज्ञान, स्ट्रक्चरल इनोवेशनऔर डिजिटल निर्माण के बीच विकसित हो रहे तालमेल का उदाहरण है। यही इस तरह के रूपों को संभव बनाती है। यह स्ट्रक्चरल रूप से सक्षम होने के साथ-साथ दिखने में भीआइकॉनिक हैं। सिंप्ली फोर्ज के संस्थापक और सीओओ फैजान चैधरी ने फसाद के पीछे की मेहनत के बारे में बताते हुए कहा, 'पहले दिन से ही हमारी टीम इस परियोजना के महत्व को महसूस कर रही थी। यह सिर्फ एक और स्ट्रक्चर नहीं था बल्कि यह एक विरासत में योगदान का अवसर था। साइट पर ऊर्जा अद्भुत थी, और 45 दिनों के रिकॉर्ड समय में बाघ को परत-दर-परत उभरते देखना अविश्वसनीय अनुभव था। सिंप्लिफोर्ज में, हमारा मिशन 3डी प्रिंटिंग के माध्यम से निर्माण को नया रूप देना है, और यह वही तरह की उपलब्धि है जिसकी हम कल्पना करते हैंकृअद्भुत, अर्थपूर्ण स्ट्रक्चर जो रचनात्मकता, इंजीनियरिंग और गति का संगम प्रस्तुत करती हैं। यह उपलब्धि भविष्य की साहसिक संरचनाओं के निर्माण में हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है।'